मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, बुधवार, 9 सितंबर 2026

संवत 2083, भाद्रपद कृष्ण 12 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 05 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 हनुमान अंश : भारत की जड़ों से संवाद करती फिल

सोशल मीडिया पर फूटा शालिनी पांडे का गुस्सा 6

आरयू के 39वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने कहा

डिग्री नहीं,आपके कर्म तय करेंगे आपकी पहचान,3,353 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई

संवाददाता

रांची : रांची विश्वविद्यालय का 39वां दीक्षांत समारोह बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर स्थित दीक्षांत मंडप में आयोजित किया गया। समारोह की शुरूआत राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान और रांची विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि झारखंड के राज्यपाल व विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार का पुष्पगुच्छ, शॉल और मां सरस्वती की प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया गया। समारोह में रक्षा राज्य मंत्री व रांची के सांसद संजय सेठ, रांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सरोज शर्मा सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे।

दीक्षांत समारोह में उत्कृष्ट विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल मिले

समारोह में कुल 3,353 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। विभिन्न संकायों और पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को 71 गोल्ड मेडल दिए गए, जो कुल 58 विद्यार्थियों के बीच वितरित हुए। इनमें 44 छात्राएं और 14 छात्र शामिल हैं। कुछ विद्यार्थियों को एक से अधिक गोल्ड मेडल भी प्राप्त हुए।

रांची विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार दो प्रतिष्ठित शिक्षाविदों को मानद उपाधि प्रदान की गई। इनमें प्रो. डॉ. शशिकला बंजारी, कुलपति, और प्रो. डॉ. आलोक राय, पूर्व कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय व

निदेशक शामिल थे।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन उनकी मेहनत, प्रतिभा और लगन की उपलब्धि का दिन है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता में उनके अभिभावकों और शिक्षकों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है, इसलिए उन्हें भी बधाई मिलनी चाहिए।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, दीक्षा शिक्षा का अंत नहीं होती, बल्कि शिक्षा को जीवन में उतारने की शुरूआत है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों ने ज्ञान प्राप्त किया, तर्क करना सीखा और प्रश्नों के उत्तर खोजने की क्षमता विकसित की।

अब उनके सामने जीवन की पाठशाला है, जहां परिस्थितियां प्रश्न बनकर आएंगी और उनके निर्णय उन प्रश्नों के उत्तर होंगे।उन्होंने कहा कि डिग्री यह बताती है कि विद्यार्थी ने क्या सीखा है, लेकिन जीवन यह बताएगा कि उसने उस सीख का क्या किया और उसे किस तरह आगे बढ़ाया। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ विवेक और सफलता के साथ संवेदनशीलता को जीवन में स्थान देने की सलाह दी।

गंगवार ने कहा कि जीवन हमेशा योजनाओं के अनुसार नहीं चलता। कुछ निर्णय सफलता तक पहुंचाते हैं तो कुछ गलतियों से सीखने का अवसर देते हैं। इसलिए सफलता में विनम्र और असफलता में धैर्यवान रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि असफलता हमेशा यात्रा रोकने वाली दीवार नहीं होती, बल्कि कई बार बेहतर दिशा दिखाने वाला संकेत होती है।

राज्यपाल ने रांची विश्वविद्यालय को झारखंड की शैक्षणिक यात्रा का महत्वपूर्ण संस्थान बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने वर्षों से शिक्षा देने के साथ राज्य के सामाजिक और बौद्धिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।उन्होंने कहा कि किसी विश्वविद्यालय का महत्व केवल इस बात से नहीं मापा जाना चाहिए कि वहां से कितने विद्यार्थी डिग्री लेकर निकले, बल्कि यह भी देखा जाना चाहिए कि वहां से कितने विचार, शोध और सकारात्मक सोच समाज तक पहुंची।

कुलाधिपति के रूप में अपनी प्राथमिकताओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध, पारदर्शिता और विद्यार्थियों के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए। विश्वविद्यालयों में ऐसा अकादमिक वातावरण विकसित होना चाहिए, जहां विद्यार्थी ज्ञान के साथ अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता को भी आगे बढ़ा सकें।

उन्होंने विश्वास जताया कि रांची विश्वविद्यालय आने वाले समय में शिक्षा, शोध, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में अपनी भूमिका और मजबूत करेगा और उच्च शिक्षा को नई दिशा देने में अग्रणी भूमिका निभाएगा।विकसित भारत 2047 के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत का अर्थ केवल आर्थिक समृद्धि नहीं है। ऐसा भारत बनाना है जो ज्ञान, विज्ञान, तकनीक, नवाचार, शिक्षा, संस्कृति और मानवीय मूल्यों के क्षेत्र में भी सशक्त और आत्मविश्वासी हो। उन्होंने कहा कि प्रयोगशालाओं में होने वाला शोध, कक्षाओं में विकसित होने वाले विचार और युवाओं की कल्पनाशक्ति भविष्य के भारत की नींव तैयार करेगी।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि वे केवल अवसर तलाशने वाले नहीं, बल्कि अवसर सृजित करने वाले बनें। उन्होंने कहा कि आधुनिक शिक्षा और तकनीक को अपनाते हुए अपनी परंपराओं और विविधता को भी आगे बढ़ाना होगा। आधुनिकता हमें आगे बढ़ने की गति देती है और संस्कृति हमें सही दिशा देती है। इन दोनों के संतुलन से ही हमारी प्रगति अधिक सार्थक और स्थायी होगी।

उन्होंने विद्यार्थियों से अपने जीवन में एक सवाल हमेशा साथ रखने को कहा-मैंने क्या पाया के साथ-साथ मैंने क्या दिया? उन्होंने कहा कि मनुष्य की वास्तविक उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता में नहीं, बल्कि उसके योगदान में दिखाई देती है। विद्यार्थियों की पहचान भविष्य में केवल उनकी डिग्री या पद से नहीं, बल्कि उनके कार्यों और व्यक्तित्व से बनेगी।

राज्यपाल ने कहा कि विद्यार्थियों की सफलता के साथ उनकी ईमानदारी, क्षमता के साथ संवेदनशीलता और उपलब्धियों के साथ समाज के प्रति जिम्मेदारी भी दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि रांची विश्वविद्यालय से निकलने वाले विद्यार्थी अपने ज्ञान, जुबान और कर्म से न केवल अपना भविष्य बनाएंगे, बल्कि झारखंड की प्रगति और विकसित भारत के निर्माण में भी सार्थक भूमिका निभाएंगे।

इससे पहले कुलपति प्रो। सरोज शर्मा ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम, दो वर्षीय और एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम तथा मल्टीपल एंट्री-मल्टीपल एग्जिट व्यवस्था को लागू करने की दिशा में काम किया गया है। विश्वविद्यालय में नए पाठ्यक्रमों, डिजिटल दस्तावेजों, शोध व करियर मार्गदर्शन से जुड़े केंद्रों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संदेश दिया। उन्होंने रांची विश्वविद्यालय में लगभग 68 करोड़ रुपये की लागत से तैयार पुस्तकालय को विश्वविद्यालय को सौंपने तथा दीक्षांत मंडप के आधुनिकीकरण की मांग राज्यपाल के समक्ष रखी। उन्होंने दीक्षांत मंडप को आधुनिक ऑडिटोरियम के रूप में विकसित करने का सुझाव दिया, ताकि भविष्य में बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा सकें।

समारोह के दौरान रांची विश्वविद्यालय के इतिहास और पिछले एक वर्ष की गतिविधियों पर आधारित स्मारिका का भी विमोचन किया गया। समारोह ने 3,353 विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा की एक महत्वपूर्ण यात्रा के पूर्ण होने और नई जिम्मेदारियों के साथ उनके जीवन के अगले चरण की शुरूआत को चिह्नित किया।

साइबर थाना में एसीबी की दबिश, अवर निरीक्षक पुनित कुमार गौतम गिरफ्तार

संवाददाता

गिरिडीह : भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने बुधवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए गिरिडीह साइबर थाना में तैनात सब-इंस्पेक्टर पुनीत कुमार गौतम को 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी दारोगा के खिलाफ यह कार्रवाई आवेदक जीवलाल मंडल की शिकायत पर की गई है.

केस डायरी भेजने के नाम पर मांगी थी घूस : जानकारी के अनुसार, आवेदक जीवलाल मंडल ने एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी कि गिरिडीह साइबर थाना कांड संख्या 24/26 के सिलसिले में कोर्ट में केस डायरी भेजने के एवज में सब-इंस्पेक्टर पुनीत कुमार गौतम द्वारा रिश्वत की मांग की जा रही थी. पीड़ित रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने मामले की लिखित शिकायत एसीबी से की।

सत्यापन के बाद अउइ धावा दल ने बिछाया जाल : शिकायत मिलने के बाद एसीबी की टीम ने अपने स्तर से मामले का गोपनीय सत्यापन कराया. सत्यापन के दौरान आवेदक द्वारा लगाए गए आरोप सही पाए गए। इसके बाद एसीबी की टीम ने एक विशेष धावा दल का गठन किया और आरोपी पुलिस अधिकारी को रंगे हाथ पकड़ने के लिए रणनीति तैयार की।

रंगे हाथ पकड़ा गया सब-इंस्पेक्टर : योजना के तहत, जैसे ही आवेदक जीवलाल मंडल ने आरोपी सब-इंस्पेक्टर पुनीत कुमार गौतम को रिश्वत के 30 हजार रुपये सौंपे, पहले से घात लगाकर बैठी एसीबी की टीम ने दबिश देकर उसे रंगे हाथ धर दबोचा. गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम आरोपी सब-इंस्पेक्टर को अपने साथ ले गई, जहां उनसे आगे की पूछताछ की जा रही है. इस कार्रवाई से पुलिस महकमे और साइबर थाना परिसर में हड़कंप मच गया है।

जेपीएससी फर्जीवाड़ा: सुमन सौरव की जमानत और पवन कुमार सिंह की अग्रिम जमानत पर फैसला सुरक्षित

रांची: जेपीएससी फर्जीवाड़ा मामले में आरोपी सुमन सौरव की जमानत याचिका और पवन कुमार सिंह की अग्रिम जमानत याचिका पर बुधवार को सुनवाई पूरी हो गई। अपर न्याययुक्त योगेश कुमार की अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। अब दोनों आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर अदालत के फैसले का इंतजार है। सीआईडी ने 30 जुलाई को आरोपी सुमन सौरव को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इससे पहले 21 जुलाई को मामले की जांच के दौरान सीआईडी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए थे। जांच आगे बढ़ने के बाद 22 जुलाई को कथित फजीवाड़े के मास्टरमाइंड अभय कुमार तिवारी, उप परीक्षा नियंत्रक श्वेता गुप्ता समेत कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। दो दर्जन से अधिक आरोपी गिरफ्तार : जेपीएससी फर्जीवाड़ा मामले की जांच का दायरा लगातार बढ़ता गया है। उक्कअब तक तत्कालीन खदरउ अध्यक्ष एल. ख्यांगते समेत दो दर्जन से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। मामले में गिरफ्तार सभी आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। सीआईडी पूरे मामले की जांच कर रही है। जांच एजेंसी फर्जीवाड़े में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल कर रही है। ऐसे में सुमन सौरव की जमानत और पवन कुमार सिंह की अग्रिम जमानत याचिका पर अदालत का आगामी फैसला मामले की जांच के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

लातेहार के भोकाखाड़ गांव में अज्ञात बीमारी से 3 बच्चों की मौत,बच्चों को आया तेज बुखार और फिर चली गई जान

लातेहार: जिला सदर प्रखंड के तरवाडीह पंचायत अंतर्गत भोकाखाड़ गांव में अज्ञात बीमारी से पिछले 20 दिनों में तीन बच्चों की मौत हो गई। इनमें दो बच्चों की मौत तो पिछले एक सप्ताह के अंदर हुई है। तीनों बच्चों की मौत बुखार आने के बाद हुई है। बच्चों की मौत से ग्रामीणों में भय के साथ-साथ मातम का माहौल है, हालांकि इस संबंध में लातेहार सिविल सर्जन डॉ। राजमोहन खलखो ने बताया कि गांव में मेडिकल टीम भेजी जाएगी। दरअसल, लातेहार सदर प्रखंड का भोकाखाड़ एक ऐसा इलाका है, जो पहाड़ी पर बसा हुआ है। गांव से पक्की सड़क तक पहुंचने के लिए लोगों को 5 डट पैदल चलना पड़ता है। इनमें तीन किलोमीटर का रास्ता पहाड़ी से होकर गुजरता है, जहां पैदल चलना तक मुश्किल है। इसी वजह से यहां चिकित्सीय सुविधा भी पहुंचना मुश्किल होता है। स्थानीय ग्रामीण महिला फुलमनी भेंगरा, अनुग्रहित खलखो, जूलियानी खलखो ने घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि गांव में पिछले 20 दिनों के अंदर तीन बच्चों की मौत हो चुकी है। महिलाओं ने जानकारी दी कि बच्चों को सबसे पहले बुखार आया था, बुखार इतना तेज था कि इलाज करने का मौका तक नहीं मिला और बच्चों की मौत हो गई। महिलाओं ने बताया कि गांव में अभी भी कई लोगों को बुखार है, कुछ और बच्चों को 2 दिन पहले से बुखार के लक्षण दिख रहे थे। जिसे देखते हुए उनके माता-पिता बच्चों को लेकर गांव से दूर रिश्तेदारों के यहां चले गए, ताकि बुखार आने पर बच्चों का सही समय पर इलाज कराया जा सके। बता दें कि गांव पूरी तरह आदिवासी बहुल गांव है, यहां की आबादी मुश्किल से 200 होगी।

विधायक के बेटे से मारपीट का मामला, 9 नामजद आरोपियों पर एफआईआर दर्ज

रांची: चतरा से लोजपा विधायक जनार्दन पासवान के बेटे सौरभ के साथ रांची में मारपीट और कथित अपहरण मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। घटना 7 सितंबर की शाम नयासराय स्थित अमिटी यूनिवर्सिटी के पास घटित हुई थी। घटना के बाद रांची पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए सौरभ को कुछ ही घंटों में सकुशल बरामद कर लिया था।

सौरभ कुमार के द्वारा दर्ज एफआईआर में यह बताया गया है कि वह अमिटी यूनिवर्सिटी रांची में एलएलबी की पढ़ाई कर रहा है। 7 सितंबर 2026 को वह रोज की तरह यूनिवर्सिटी में लॉ की क्लास करने गया था। क्लास खत्म होने के बाद वह अपने साथी अमरदीप और अनमोल रविशंकर के साथ कॉलेज गेट के पास खड़ा था। इसी दौरान एक लड़की ने उसके दोस्त अमरदीप से कुछ बातचीत की। शिकायत के अनुसार, इसके बाद लड़की ने अपने परिचित लड़कों को फोन कर बुलाया।

सोमवार को शाम 4.15 बजे के करीब दो काली रंग की गाड़ियों से कई युवक वहां पहुंचे। आरोप है कि वहां पहुंचे युवकों ने सौरभ कुमार और उसके दोस्तों के साथ लाठी-डंडे से मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर उसके दोस्त अनमोल को थप्पड़ मारा गया। इसके बाद सौरभ को जबरन गाड़ी में बैठाकर वहां से ले जाया गया।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि गाड़ी में सवार लोगों ने सौरभ और उसके साथियों से मोबाइल फोन और करीब 20 ग्राम वजन की सोने की चेन छीन ली। इसके अलावा सौरभ का गला दबाया गया, जिससे उसे सांस लेने में काफी परेशानी हुई। बाद में सौरभ के दोस्तों ने घटना की जानकारी उसके भाई और पुलिस प्रशासन को दी। इसके बाद पुलिस के आने की सूचना मिलने पर आरोपी कथित तौर पर विधानसभा थाना क्षेत्र में सौरभ को छोड़कर फरार हो गए।

इन लोगों पर दर्ज हुई एफआईआर

पुलिस ने जिन लोगों पर एफआईआर दर्ज की उसमें लक्की राज, आयुष मिश्रा, प्रकाश कुमार, रौनक सिंह, प्रीतम सिंह, राहुल बनिया, बाबू साहेब आयुष, शौर्य राज और अन्य अज्ञात लोग शामिल है।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि रोहित सिंह उर्फ तोता अपनी कार लेकर आया था और उसने भी मारपीट की। सौरभ ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। विधानसभा थाना में दर्ज एफआईआर संख्या 69/2026 में भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 140(3), धारा 127(2), धारा 115(2), धारा 351(2), धारा 352 और धारा 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर के अनुसार मामले की जांच एसआई दिनेश ठाकुर को सौंपी गई है।

तलाक के बाद पूर्व पति से दोबारा निकाह से इनकार अपराध नहीं : झारखंड हाईकोर्ट

संवाददाता

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने मुस्लिम पर्सनल लॉ से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। अदालत ने स्पष्ट किया कि तलाक के बाद यदि महिला किसी अन्य व्यक्ति से विवाह करती है और बाद में पूर्व पति से दोबारा निकाह करना चाहती है, तो पूर्व पति द्वारा इससे इनकार करना अपने आप में कोई संज्ञेय अपराध नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि किसी व्यक्ति को उसकी इच्छा के विरुद्ध दोबारा विवाह के लिए कानूनी रूप से बाध्य नहीं किया जा सकता।

यह मामला गिरिडीह जिले से संबंधित है। मामले के अनुसार, एक मुस्लिम दंपत्ति के बीच तलाक हो गया था। इसके बाद महिला ने मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत पूर्व पति से दोबारा निकाह की इच्छा जताई। इसके लिए उसने दूसरे व्यक्ति से विवाह किया। बाद में महिला ने अपने पूर्व पति से पुनः निकाह करने की मांग की, लेकिन पूर्व पति ने इससे इनकार कर दिया। पूर्व पति के इस इनकार के बाद महिला ने उसके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई। मामला झारखंड हाईकोर्ट पहुंचा, जहां आरोपी पूर्व पति की ओर से अग्रिम जमानत की मांग की गई।

अदालत ने दी अग्रिम जमानत : मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति संजय कुमार द्विवेदी की अदालत में हुई। अदालत ने आरोपी पूर्व पति को अग्रिम जमानत की सुविधा प्रदान करते हुए कहा कि तलाक के बाद पूर्व पति पर अपनी तलाकशुदा पत्नी से दोबारा विवाह करने की कोई वैधानिक बाध्यता नहीं है।

हाईकोर्ट ने माना कि यदि पूर्व पति दोबारा निकाह करने से इनकार करता है, तो केवल इस आधार पर उसके खिलाफ आपराधिक मामला नहीं बनता। मुस्लिम पर्सनल लॉ अथवा सामान्य आपराधिक कानून किसी व्यक्ति को उसकी इच्छा के विरुद्ध तलाकशुदा पत्नी से दोबारा निकाह करने के लिए बाध्य नहीं करता।

अदालत ने आरोपी को 25-25 हजार रुपये के दो निजी मुचलकों पर अग्रिम जमानत प्रदान की। हाईकोर्ट की इस टिप्पणी से यह स्पष्ट हुआ कि तलाक के बाद दोबारा विवाह का निर्णय संबंधित व्यक्ति की स्वतंत्र इच्छा पर निर्भर करता है और केवल विवाह से इनकार को आपराधिक कृत्य नहीं माना जा सकता।

राहुल गांधी पर मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट का जल्द सुनवाई से इनकार

सीजेआई बोले-हमारे सामने सब बराबर

नई दिल्ली : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में जल्द सुनवाई की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इंकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमारे सामने सब बराबर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने शिकायतकर्ता को मामले की शीघ्र सुनवाई के लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन दाखिल करने को कहा है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने भरोसा दिया कि आवेदन मिलने के बाद उस पर विचार किया जाएगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ के समक्ष शिकायतकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया पेश हुए।

उन्होंने अदालत को बताया कि राहुल गांधी इस मामले में कोई वीआईपी नहीं हैं और उनकी अपील करीब पांच महीने से सुनवाई के लिए लंबित है।

उन्होंने कहा कि मामला कई बार सूची में आया लेकिन किसी कारण से सुनवाई नहीं हो सकी। गौरव भाटिया ने दलील दी कि बार-बार मामले की सुनवाई टलना संस्थान के लिए भी उचित नहीं है। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि मामले में तय प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। आवेदन मिलने के बाद वह उस पर विचार करेगा।

बता दें कि यह मामला दिसंबर 2022 में राहुल गांधी की ओर से दिए गए एक बयान से जुड़ा है। भारत-चीन सीमा पर हुई झड़प को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाते हुए राहुल गांधी ने दावा किया था कि चीनी सैनिक अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सेना के जवानों को पीट रहे हैं। उनके इस बयान पर बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन के पूर्व डायरेक्टर उदय शंकर श्रीवास्तव ने शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत में आरोप लगाया गया कि राहुल गांधी का बयान भारतीय सेना के लिए अपमानजनक है और इससे सेना की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। इसी मामले में लखनऊ की अदालत ने राहुल गांधी को पेश होने के लिए समन जारी किया था।

भारत की एफआईयू ने पीएमएलए के गैर-अनुपालन को लेकर 15 क्रिप्टो प्लेटफॉर्म्स को नोटिस जारी किए

नई दिल्ली : भारत की फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट (एफआईयू) ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के गैर-अनुपालन के लिए 15 वर्चुअल डिजिटल एसेट सर्विस प्रोवाइडर्स को नोटिस जारी किए हैं। यह जानकारी बुधवार को जारी बयान में दी गई। वित्त मंत्रालय के अनुसार, एफआईयू-इंडिया के डायरेक्टर ने उन संस्थाओं के खिलाफ अनुपालन कार्रवाई के तहत ये नोटिस जारी किए हैं, जो जरूरी शर्तों को पूरा किए बिना काम कर रही थीं। इन संस्थाओं में वीक्स, ब्लोफिन, रेजोरेक्स, बिटयूनिक्स , डिजीफाइनेंस, टूबीट, एक्सटी.कॉम, लाटोकन, वू एक्स, पायनिक्स, चेंज नाउ, सिंपल स्वैप, फिक्स्डफ्लोट, व्हाइटबीआईटी और गार्डेरियन शामिल हैं। मंत्रालय ने बताया कि एफआईयू डायरेक्टर ने भारत के सूचना प्रौद्योगिकी कानून के तहत नोडल ऑफिसर के तौर पर नोटिस जारी किए हैं। इन नोटिस में 15 संस्थाओं से जुड़े ऐप्स और यूआरएल को पब्लिक एक्सेस से हटाने के लिए कहा गया है।

समाचार सार

श्री श्याम मंदिर में गूंजा सुंदरकांड भक्तों ने की हनुमान जी की आराधना

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में 220वां श्री सुंदरकांड एवं श्री हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। मंडल के निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने सुनील मोदी से बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्वलित कराई। इसके बाद केसरिया पेड़ा, गुड़, चना और फल का भोग अर्पित किया गया। सुनील मोदी ने श्रीरामचरितमानस का पूजन कर पाठ वाचकों का चंदन-वंदन किया और आशीर्वाद प्राप्त किया।

पाठ वाचक मनीष सारस्वत और ओम शर्मा ने सहयोगियों के साथ ढोलक और ढपली की धुन पर श्रीगणेश वंदना के बाद श्री हनुमान चालीसा का पाठ कराया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया। पाठ के दौरान भक्तजन हनुमान जी की आराधना में लीन रहे और बीच-बीच में भजनों की प्रस्तुति हुई। सुंदरकांड पाठ के समापन पर पुनः हनुमान चालीसा का पाठ कराया गया। इसके बाद महाआरती हुई और श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया गया।

इस अवसर पर श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद, पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेड़ा, मनीष साहू ने गिरिगोला और राजेश जायसवाल ने फल प्रसाद की सेवा निवेदित की। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष गोपाल मुरारका, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान, उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया, अशोक लड़िया, कृष्णा, अंकित सिंह, ऋषभ चौरसिया, हिमांशु कुमार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

12 सितंबर को होगा 216वां श्री श्याम भंडारा : हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में 12 सितंबर, शनिवार को श्री श्याम भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मंडल के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी ने धर्मप्रेमी बंधुओं से भंडारे में शामिल होने का आग्रह किया है। यह जानकारी मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने दी।

रांची नगर निगम में दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार को दी श्रद्धांजलि

रांची : झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, नगर विकास एवं आवास तथा पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के माननीय मंत्री श्री सुदिव्य कुमार के असामयिक निधन से पूरे राज्य में शोक की लहर है। उनके निधन पर मंगलवार को रांची नगर निगम कार्यालय में शोकसभा आयोजित कर दिवंगत मंत्री को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शोकसभा में महापौर रोशनी खलखो, उप महापौर नीरज कुमार, नगर आयुक्त सुशांत गौरव, अपर नगर आयुक्त संजय कुमार तथा उप नगर आयुक्त रविंद्र कुमार सहित नगर निगम के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। इस दौरान सभी उपस्थित लोगों ने दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके प्रति अपनी श्रद्धा एवं संवेदना व्यक्त की। शोकसभा में सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। नगर निगम परिवार ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने दिवंगत मंत्री के निधन को राज्य के लिए अपूरणीय क्षति बताया और उनके योगदान को स्मरण किया।

सीयूजे के दो शिक्षकों के शोध-पत्र अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में चयनित

रांची : झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के हिंदी विभाग के वरिष्ठ सहायक आचार्य डॉ. उपेंद्र कुमार सत्यार्थी और अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग के वरिष्ठ सहायक आचार्य डॉ. विभूति भूषण बिस्वास के शोध-पत्र श्रीलंका के सबरगामुवा विश्वविद्यालय में 25 और 26 सितंबर को आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुति के लिए चयनित हुए हैं। संगोष्ठी प्रसिद्ध सिंहली साहित्यकार मार्टिन विक्रमसिंह की 50वीं पुण्यस्मृति के अवसर पर आयोजित की जा रही है।

संगोष्ठी में दक्षिण एशियाई साहित्य, भाषा, समाज और संस्कृति से जुड़े विषयों पर विमर्श होगा। इसका प्रमुख केंद्र मार्टिन विक्रमसिंह और हिंदी के महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद के साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन रहेगा। डॉ. उपेंद्र कुमार सत्यार्थी ने बताया कि दोनों रचनाकारों के साहित्य में आमजन, ग्रामीण जीवन, सामाजिक विषमता और मानवीय संवेदनाओं को प्रमुखता मिली है। इसी समानता और विविधता को तुलनात्मक दृष्टि से समझने का प्रयास किया जाएगा। संगोष्ठी के दौरान डॉ. सत्यार्थी के संपादन में प्रकाशित पुस्तक ह्यदक्षिण एशिया के महान कथाकार मार्टिन विक्रमसिंह और प्रेमचंदह्ण का औपचारिक लोकार्पण भी होगा। विश्वविद्यालय के अनुसार, सीयूजे के दो शिक्षकों के शोध-पत्रों का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चयन विश्वविद्यालय की शोध संस्कृति और बढ़ती अकादमिक सहभागिता की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। कुलपति, कुलसचिव, आईक्यूएसी निदेशक समेत विश्वविद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों ने दोनों शिक्षकों को बधाई दी है।

बोर्ड परीक्षा परिणाम सुधारने को 10 से शुरू होगा मासिक मूल्यांकन

रांची : जिले में बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम में सुधार के उद्देश्य से जिला शिक्षा पदाधिकारी वसीम अहमद की पहल पर ह्यशिक्षा उपहारह्ण कार्यक्रम के तहत कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों का प्रथम मासिक मूल्यांकन 10 सितंबर से शुरू होगा। जिले के सभी सरकारी, सहायता प्राप्त एवं स्थापना अनुमति प्राप्त उच्च और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में मूल्यांकन आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों की नियमित शैक्षणिक प्रगति का आकलन कर कमजोरियों की समय रहते पहचान करना और सुधारात्मक शिक्षण के माध्यम से बोर्ड परीक्षा की तैयारी को बेहतर बनाना है।

विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं प्रभारी प्रधानाध्यापकों को संबंधित विषयों के प्रश्नपत्र डाउनलोड कर उनकी प्रतियां तैयार कराने और विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। मूल्यांकन के आधार पर विद्यार्थियों को कमजोर, औसत और अच्छे प्रदर्शन वाली श्रेणियों में चिन्हित किया जाएगा। कमजोर विद्यार्थियों के लिए आवश्यकतानुसार लक्षित एवं सुधारात्मक शिक्षण की व्यवस्था की जाएगी। मूल्यांकन के बाद विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिकाएं उपलब्ध कराकर आदर्श उत्तर के आधार पर अभ्यास कराने पर भी जोर दिया गया है। मूल्यांकन की निगरानी के लिए प्रखंड स्तर पर व्यापक व्यवस्था की गई है। प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी तथा प्रखंड एवं संकुल साधनसेवी विद्यालयों का भ्रमण कर मूल्यांकन की स्थिति का जायजा लेंगे। परीक्षा संचालन से संबंधित दैनिक प्रतिवेदन तस्वीरों के साथ गूगल प्रपत्र के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा।

हरमू रोड में अवैध अतिक्रमण पर नगर निगम की कार्रवाई जारी

सड़क और फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण को हटाने में जुटी निगम की टीम, दुकानदारों में मचा हड़कंप

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के प्रमुख मार्गों में शामिल हरमू रोड में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम की कार्रवाई लगातार जारी है। सड़क किनारे और फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए नगर निगम की टीम द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान सड़क की जमीन और सार्वजनिक स्थान पर अस्थायी तौर पर लगाए गए दुकानों, ठेलों तथा अन्य अतिक्रमण को हटाया जा रहा है।

नगर निगम की कार्रवाई के बाद हरमू रोड में अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों और कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। निगम की टीम ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक सड़क और फुटपाथ पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अभियान के दौरान निगम कर्मियों द्वारा अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ संबंधित लोगों को दोबारा अतिक्रमण नहीं करने की हिदायत भी दी जा रही है।

यातायात व्यवस्था सुधारने पर जोर : हरमू रोड शहर के व्यस्ततम मार्गों में से एक है। यहां सड़क किनारे अतिक्रमण के कारण अक्सर यातायात प्रभावित होने की शिकायतें सामने आती रही हैं। फुटपाथ पर दुकानें और अस्थायी संरचनाएं लग जाने से पैदल चलने वाले लोगों को भी सड़क पर उतरकर चलना पड़ता है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। नगर निगम की कार्रवाई का उद्देश्य सड़क और फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त कर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाना भी है।

दोबारा अतिक्रमण करने पर कार्रवाई की चेतावनी : नगर निगम की टीम ने अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी है कि कार्रवाई के बाद यदि दोबारा उसी स्थान पर अतिक्रमण किया गया तो नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। निगम की ओर से अभियान को आगे भी जारी रखने की बात कही गई है, ताकि मुख्य सड़कों और सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त रखा जा सके।

लायंस क्लब ऑफ रांची अम्बर का हुआ द्वितीय इंस्टॉलेशन, सेवा कार्यों को मिलेगा नया आयाम

संवाददाता

रांची : समाज सेवा, जरूरतमंदों की सहायता एवं जनकल्याण के उद्देश्य से लायंस क्लब ऑफ रांची अम्बर वर्ष 2026 -27 का विधिवत नये टीम का संस्थापन किया गया। इस अवसर पर क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पिछले वर्ष के सेवा कार्यो का प्रस्तुतीकरण करते हुए, इस वर्ष समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सेवा कार्यों को प्राथमिकता देने और जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने का संकल्प लिया। इस वर्ष क्लब जिम्मेदारी अध्यक्ष - छल्ल नीरज कुमार, सचिव - छल्ल रंजीत सिंह, कोषाध्यक्ष - छल्ल पंकज साहू को सौपा गया। कार्यक्रम के दौरान हाल ही में नेपाल में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए लायंस क्लब ऑफ रांची अम्बर के सदस्यों द्वारा ?11,000 की आर्थिक सहायता लायन डिस्ट्रिक्ट 322अ टीम को प्रदान की गई। इस सहायता का उद्देश्य नेपाल बाढ़ त्रासदी से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाना है। डिस्ट्रिक्ट टीम द्वारा विभिन्न लायंस क्लबों के सहयोग से एकत्रित सहायता राशि एवं संसाधनों के माध्यम से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं सहायता कार्य किए जाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि लायंस क्लब का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्ग के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, रक्तदान, नेत्र जांच एवं अन्य जनसेवा से जुड़े कार्यों को बढ़ावा देना है। लायंस क्लब ऑफ रांची अम्बर भी इसी सेवा भावना के साथ रांची एवं आसपास के क्षेत्रों में सकारात्मक सामाजिक बदलाव लाने के लिए कार्य करेगा।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने कहा कि क्लब केवल एक संस्था नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का एक माध्यम है। क्लब द्वारा आने वाले समय में विभिन्न सामाजिक एवं सेवा गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा तथा अधिक से अधिक लोगों को सेवा कार्यों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

इस अवसर पर डिस्ट्रिक 322अ टीम से ऊॠढटखत्रछल्ल. शुभरा मजूमदार, १२३ श्ऊॠ छल्ल. कंचन साहू, 2ल्ल श्ऊॠ सुजीत कुमार, ढऊॠ छल्ल. सिद्धार्थ मजूमदार, ऊऱ छल्ल. अर्जुन सिंह, ॠटळ उङ्मङ्म१ल्लिं३ङ्म१ झ छल्ल. गणेश प्रसाद सिंह

मुख्य अतिथि - जोसफ मरियाणूस कुजूर (क्रऱ निर्देशक), राम जी यादव (ढ१ङ्म-उँल्लीू'-'ङ्म१, इठ वल्ल५ी१२३८), डा. निरंजन साहू (क्रऱ प्रोफेसर), प्रो. संचिता सुचारिता (उवख प्रोफेसर), प्रो. बी बी मिश्रा (उवख प्रोफेसर), बालेश्वर यादव (एडवोकेट झारखंड हाई कोर्ट)

सदस्यों मे अध्यक्ष - छल्ल. नीरज कुमार, सचिव - छल्ल रंजीत सिंह, कोषाध्यक्ष - छल्ल पंकज साहू १२३ श्ढ झ छल्ल. रश्मि सिंह, 2ल्ल श्ढ - माधवेश कुमार, तत्कालिक पुर्व अध्यक्ष झ छल्ल. दीपाली रस्तोगी, क्लब एडमिन - छल्ल. अनुज वर्मा, छल्ल. योगेंद्र साहू, छल्ल. संजय साहू, छल्ल. अंकुश जैन, छल्ल. अमित कुमार, छल्ल. पूजा दास, छल्ल. ज्योति प्रसाद, छल्ल. राधिका प्रसाद, छल्ल. प्रियांशु रंजन, छल्ल. सिमु रविदास, छल्ल गुंजा वर्मा, छल्ल. श्रीलेखा, छल्ल. अर्जुन प्रसाद, छल्ल. रिंकू प्रसाद की विशेष उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का समापन समाज एवं मानवता की सेवा के संकल्प के साथ हुआ।

बीआईटी लालपुर में शिक्षक दिवस पर विद्यार्थियों ने बांधा समां

रांची : बीआईटी मेसरा लालपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक, गीत-संगीत और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से शिक्षकों का मनोरंजन किया और उन्हें हंसने-मुस्कुराने पर मजबूर कर दिया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों को शिक्षकों ने खूब सराहा।

संस्थान के निदेशक डॉ विजय कुमार झा ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच संबंधों को मजबूत करने का बेहतर माध्यम हैं। विद्यार्थियों को जब मंच मिलता है तो उनके मन की झिझक और घबराहट दूर होती है। उन्होंने आयोजन के लिए विद्यार्थियों और शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आयोजन संयोजक डॉ अभय रंजन श्रीवास्तव, डॉ अमृता प्रियम और डॉ संदीप ने भी विद्यार्थियों को भविष्य में सफलता के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में डॉ सोमित्रो, डॉ शीबा मित्रा, डॉ एनके सिंह, डॉ शिवा, मयंक पराशर, डॉ अनीश हैदर, नरेंद्र कुमार, अनामिका, एलिस प्रीति, सोनी कुमारी, ममता पांडेय, मानशी गुप्ता, नंदन बनर्जी, जया पाल, अपर्णा शुक्ला, उमेश प्रसाद सहित सैकड़ों विद्यार्थी और शिक्षक मौजूद रहे।

वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए सभी विभाग और समुदाय मिलकर करें काम : शशि प्रकाश झा

संवाददाता

रांची : झारखंड में मलेरिया, कालाजार, लिम्फेटिक फाइलेरियासिस, डेंगू, चिकनगुनिया सहित अन्य वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम और नियंत्रण को लेकर राज्य स्वास्थ्य विभाग एवं कैवल्या एजुकेशन फाउंडेशन, पिरामल फाउंडेशन की पहल, के संयुक्त सहयोग से दो दिवसीय राज्यस्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम मंगलवार को शुरू हुआ। 8 और 9 सितंबर को आयोजित इस प्रशिक्षण में राज्य के सभी 24 जिलों के वेक्टर जनित रोग पदाधिकारी और जिला सलाहकार शामिल हुए।

कार्यक्रम का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने किया। उद्घाटन सत्र में राज्य में वेक्टर जनित रोगों की वर्तमान स्थिति, उपलब्धियों, क्षेत्रीय चुनौतियों और आगामी प्राथमिकताओं पर चर्चा हुई। इस दौरान अभियान निदेशक ने कहा कि इन रोगों की प्रभावी रोकथाम और नियंत्रण के लिए केवल स्वास्थ्य विभाग के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। अन्य विभागों, स्थानीय निकायों और समुदाय के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। उन्होंने जिला पदाधिकारियों को उपलब्ध आंकड़ों की नियमित समीक्षा कर रोग के रुझानों की पहचान करने, समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने, जन-जागरूकता बढ़ाने तथा रोगियों की शीघ्र पहचान, जांच और उपचार की सुविधा अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का निर्देश दिया। राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ रंजीत प्रसाद ने कहा कि संक्रमित रोगियों को मच्छरों के काटने से बचाना बेहद जरूरी है, ताकि संक्रमण स्वस्थ लोगों तक न पहुंचे। उन्होंने कहा कि संक्रमित रोगियों को नियमित रूप से मच्छरदानी का उपयोग करना चाहिए। साथ ही उन्होंने प्रत्येक रोगी को उपचार के साथ मच्छरदानी उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य जिला वेक्टर जनित रोग पदाधिकारियों और जिला सलाहकारों की भूमिका एवं जिम्मेदारियों को स्पष्ट करने के साथ रोगों की रोकथाम, निगरानी, जांच, उपचार और कार्यक्रम प्रबंधन से जुड़ी तकनीकी एवं प्रबंधकीय क्षमताओं को मजबूत करना है। प्रशिक्षण में जिला और प्रखंड स्तर पर उपलब्ध आंकड़ों की नियमित समीक्षा, रोग के रुझानों की पहचान, समय पर कार्रवाई तथा राज्य एवं जिला स्तर के बीच प्रभावी समन्वय पर मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में नगर निकायों, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, शिक्षा विभाग, पंचायती राज संस्थाओं, ग्रामीण विकास विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय पर जोर दिया गया।

सरकारी बिजली तार चोरी कर ले जा रहा पिकअप जब्त, चालक गिरफ्तार

संवाददाता

खूंटी : सरकारी बिजली तार चोरी कर पिकअप वाहन से गुमला से तोरपा की ओर ले जा रहे एक आरोपी को खूँटी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान पिकअप वाहन से 19 बंडल एल्युमिनियम के सरकारी बिजली तार बरामद किए हैं। बरामद तार और पिकअप वाहन को पुलिस ने जब्त कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विकास चन्द्र रवि के रूप में हुई है। वह गुमला जिले के गुमला थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबुआ पंचायत के गिन्डरा कुम्हार टोली का रहने वाला बताया गया है। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने मामले का खुलासा किया। एसपी ने बताया कि सोमवार की रात करीब 10 बजे पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पिकअप वाहन संख्या खल्01उे 2836 में सरकारी बिजली के तार चोरी कर गुमला से तोरपा की ओर ले जाए जा रहे हैं। सूचना मिलते ही मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, तोरपा के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने तत्काल कार्रवाई शुरू करते हुए छाता नदी पुल पार कर रोड तोरपा पहुंचकर संदिग्ध वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान पुलिस टीम को एक सफेद रंग का पिकअप वाहन आता दिखाई दिया। पुलिस ने वाहन को रोककर चालक से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान चालक ने अपना नाम विकास चन्द्र रवि बताया। इसके बाद पुलिस ने पिकअप वाहन की तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन के अंदर 19 बंडल एल्युमिनियम के सरकारी बिजली तार बरामद हुए। तार के संबंध में चालक से पूछताछ की गई, जिसके बाद पुलिस ने सभी तारों को जब्त करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार विकास चन्द्र रवि का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ घाघरा, गुमला और बड़ो थाना में विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज हैं। पुलिस अब बरामद सरकारी बिजली तार की चोरी से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि चोरी की इस घटना में आरोपी के साथ कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था या नहीं। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विजय कुमार सिंह, तोरपा थाना प्रभारी मनीष कुमार, सअनि हरी पिंगुवा सहित तोरपा थाना रिजर्व गार्ड के जवान शामिल थे। पुलिस की इस कार्रवाई से सरकारी संपत्ति की चोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का संदेश गया है।

नवा बिहान ने आयोजित की टाई एंड डाई एवं डिजिटल मार्केटिंग अवेयरनेस कार्यशाला

रांची : जेवियर बोर्ड वीक 2026 के नेतृत्व में कम्युनिटी सर्विस कार्यक्रम के अंतर्गत नवा बिहान आदिवासी एनजीओ द्वारा सनराइज पब्लिक स्कूल, अदालहातू, मोराबादी, राँची में विद्यार्थियों के लिए टाई एंड डाई तथा डिजिटल अवेयरनेस एवं डिजिटल मार्केटिंग विषय पर विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में निर्मला कॉलेज, राँची के फैशन डिजाइनिंग विभाग की हेड ऑफ डिपार्टमेंट डॉ. वी. एस. उमा रानी एवं बीबीए विभाग की अध्यापिका शुभांजलि भेगराज ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए उन्हें रचनात्मकता, फैशन डिजाइनिंग, टेक्सटाइल एवं डिजिटल मार्केटिंग के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। टाई एंड डाई की प्रायोगिक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को पारंपरिक तकनीक को आधुनिक डिजाइन और रचनात्मक सोच के साथ जोड़ने का अवसर मिला।

कार्यक्रम के दौरान स्कूल की अध्यापिका श्रीमती पूजा अमृता उराँव द्वारा अंगवस्त्र भेंट कर निर्मला कॉलेज से आए अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इस अवसर पर नवा बिहान के फाउंडर आर. अजय ने कहा कि ह्लभारत का टेक्सटाइल, हैंडीक्राफ्ट तथा ट्राइबल आर्ट एंड क्राफ्ट पूरी दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। बच्चों को कम उम्र से ही इन क्षेत्रों की रचनात्मक संभावनाओं से जोड़ना आवश्यक है। इस तरह की कार्यशालाओं से विद्यार्थियों की क्रिएटिव स्किल, आत्मविश्वास और व्यावहारिक ज्ञान में वृद्धि होगी, जिसका लाभ वे भविष्य में अपने करियर के विभिन्न क्षेत्रों में उठा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि नवा बिहान लगातार आदिवासी एवं ग्रामीण बच्चों को शिक्षा, रचनात्मक कौशल, डिजिटल जागरूकता और करियर के नए अवसरों से जोड़ने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। संस्था का उद्देश्य बच्चों की प्रतिभा को पहचानकर उन्हें आधुनिक शिक्षा और कौशल के माध्यम से आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करना है।

कार्यशाला में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और टाई एंड डाई की कला के साथ-साथ डिजिटल माध्यमों के सकारात्मक एवं रचनात्मक उपयोग के बारे में जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम ने बच्चों में क्रिएटिविटी, डिजाइन थिंकिंग, डिजिटल जागरूकता और भविष्य के करियर विकल्पों के प्रति रुचि पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में संत जेवियर कॉलेज के इतिहास विभाग से आए इंटर्नशिप के लिए अवंतिका सिन्हा का सहरानीय सहयोग रहा।

13 सितंबर को होगा पासवा का शिक्षक सम्मान समारोह

रांची : पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) की ओर से 13 सितंबर को सुबह 9:30 बजे रांची विश्वविद्यालय के मोरहाबादी परिसर स्थित आर्यभट्ट सभागार में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह मुख्य अतिथि, पुलिस महानिरीक्षक मनोज कौशिक उद्घाटनकर्ता और रिम्स निदेशक डॉ. डीके सिन्हा विशेष अतिथि होंगे। पूर्व कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिंह सहित कई गणमान्य लोग भी शामिल होंगे।

पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। शिक्षकों का सम्मान शिक्षा, संस्कार और राष्ट्र निर्माण की पूरी व्यवस्था का सम्मान है। समारोह में राज्यभर से बड़ी संख्या में शिक्षक और शिक्षा जगत से जुड़े लोग शामिल होंगे। समारोह की तैयारियों को लेकर पासवा के मुख्य संरक्षक डॉ. रामेश्वर उरांव के आवास पर बैठक हुई।

जनजाति कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा को आयोग प्रतिबद्ध : डॉ आशा लकड़ा

रांची : सीएमपीडीआई, रांची के सम्मेलन कक्ष में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ आशा लकड़ा के साथ कोल इंडिया अनुसूचित जाति-जनजाति कर्मचारी संगठन के प्रतिनिधिमंडल की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में सीएमपीडीआई एवं कोल इंडिया में कार्यरत अनुसूचित जनजाति कर्मचारियों से जुड़े आरक्षण, आरक्षण रोस्टर, पदोन्नति, प्रतिनिधित्व, लंबित मांगों तथा कर्मचारियों के अधिकार और हितों से संबंधित विभिन्न मुद्दों को आयोग के समक्ष रखा गया।

प्रतिनिधिमंडल ने अनुसूचित जनजाति कर्मचारियों से जुड़े मामलों के समाधान के लिए आवश्यक पहल करने का आग्रह किया। डॉ। आशा लकड़ा ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा रखे गए सभी विषयों को गंभीरतापूर्वक सुना और उनके उचित समाधान के लिए आवश्यक पहल किए जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति सहित वंचित वर्गों के संवैधानिक अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए आयोग पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

प्रतिनिधिमंडल ने डॉ आशा लकड़ा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि बैठक में उठाए गए मुद्दों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई होगी। प्रतिनिधिमंडल की ओर से यह भी कहा गया कि संबंधित मामलों के समाधान के लिए प्रबंधन के साथ तत्काल बैठक कर आवश्यक पहल की जाएगी।

बैठक में संगठन के अध्यक्ष मनीष दोहरे, महासचिव विजय कुमार रजक, उपाध्यक्ष सुरेश कुमार रवि एवं शंकर राम, कोषाध्यक्ष अजय लकड़ा, संयुक्त सचिव प्रवीण कुमार, संजय रजक, बिरू मुंडा, राजेश नायक और उमेश मुंडा सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

फिल्म हनुमान अंश को झारखंड में टैक्स फ्री करने की मांग

रांची : रक्षा राज्य मंत्री एवं रांची के सांसद संजय सेठ ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर हाल ही में रिलीज हुई हिंदी फिल्म ह्यहनुमान अंशह्न को झारखंड में कर-मुक्त करने का आग्रह किया है।

श्री सेठ ने कहा कि यह फिल्म भारतीय संस्कृति, सनातन मूल्यों और भगवान हनुमान के प्रति श्रद्धा को आधुनिक संदर्भ में प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करती है। फिल्म का कथानक महान संत एवं हनुमान भक्त नीम करौली बाबा के जीवन और उनके आदर्शों पर आधारित है। झारखंड की जनता में भी नीम करौली बाबा के प्रति गहरी श्रद्धा है तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उनके दर्शन के लिए कैंची धाम जाते हैं।

उन्होंने कहा कि सत्य, साहस, सेवा, त्याग और धर्म के प्रति निष्ठा जैसे सनातन मूल्यों को युवा पीढ़ी तक पहुंचाने में ऐसी फिल्मों की महत्वपूर्ण भूमिका है। ह्यहनुमान अंशह्न केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि हमारी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत से नई पीढ़ी को जोड़ने का माध्यम है। संजय सेठ ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि फिल्म के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व को देखते हुए इसे झारखंड में कर-मुक्त करने के संबंध में उचित दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। इससे समाज के सभी वर्गों को यह फिल्म देखने का अवसर मिलेगा और झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का एक और माध्यम उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और सनातन मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने वाली सकारात्मक एवं प्रेरणादायी फिल्मों को प्रोत्साहित करना समय की आवश्यकता है। विदित हो कि हाल ही में उत्तराखंड सरकार ने भी ह्यहनुमान अंशह्न को राज्य में टैक्स फ्री करने की घोषणा की है।

पी-21 ने अग्रवाल सभा में की बैठक, सदस्यों से मांगा समर्थन

रांचीः चैंबर चुनाव को लेकर टीम पी-21 ने अग्रवाल सभा में चैंबर सदस्यों के साथ बैठक की। बैठक में चैंबर चुनाव में टीम की ओर से चुनाव लड़ रहे सदस्यों का परिचय कराया गया। इस दौरान टीम के सदस्यों ने अपने विजन और आगामी कार्ययोजनाओं से भी सदस्यों को अवगत कराया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष अर्जुन जालान ने कहा कि चैंबर व्यापारियों और उद्यमियों की आवाज को मजबूती से उठाने वाला संगठन है। चुनाव में ऐसे प्रतिनिधियों का चयन होना चाहिए, जो व्यापारिक समुदाय की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाएं और उनके समाधान के लिए लगातार प्रयास करें। पूर्व अध्यक्ष अरुण बुधिया ने कहा कि चैंबर को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने के लिए सभी सदस्यों की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने टीम पी-21 के प्रत्याशियों को समर्थन देने की अपील की। बैठक में पूर्व अध्यक्ष नवल किशोर सिंह, रंजीत टिबड़ेवाल समेत अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे। मौके पर सुरेश चंद अग्रवाल, मनोज चौधरी, निर्मल बुधिया, अरुण खेमका, जय सिंह यादव, धर्मेंद्र तिवारी, आनंद जालान, मदन सेन कुंजारा, अशोक पुरोहित, सज्जन पाड़िया, अशोक नारसरिया, पवन पोद्दार, ललित पोद्दार, कमल जैन समेत अन्य लोग मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन भारतेंदु झा ने किया।

पंडरा बाजार में व्यापारियों से मांगा समर्थन : बैठक के अलावा टीम पी-21 के सदस्यों ने पंडरा बाजार का भी दौरा किया। इस दौरान टीम के सदस्यों ने बाजार के व्यापारियों से मुलाकात कर चैंबर चुनाव में टीम को समर्थन देने का आग्रह किया। सदस्यों ने संजय माहुरी, दीपक ओझा, संतोष सिंह, विकास कुमार गुप्ता, राहुल शर्मा, तरनजीत सिंह समेत कई व्यापारियों से मुलाकात कर अपनी टीम के पक्ष में समर्थन मांगा। पंडरा बाजार के व्यापारियों ने पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया। पदयात्रा में अमित कुमार पाठक, अमित श्रीवास्तव, अमित सिंघानिया, अनीश सिंह, अरूप नंदी, देवनंदन उरांव, मनोज कुमार मिश्रा, मनोज कुमार सिंह, एमडी सलीम, पूनम आनंद, प्रमिला कुमारी, प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, सज़ल श्रोथ, संतोष कुमार, संतोष उरांव, शैलेंद्र कुमार सुमन, शंकर शंभु राजेश, सुबोध जायसवाल, सुमन शर्मा, सुनील अग्रवाल, सूरज सेठ समेत अन्य लोग मौजूद थे।

महेंद्र सिंह धोनी के फार्म हाउस में निकला कोबरा, किया गया रेस्क्यू

संवाददाता

रांची : क्रिकेट के मैदान पर अपनी कप्तानी और शांत स्वभाव के लिए मशहूर महेंद्र सिंह धोनी का रांची स्थित फार्म हाउस एक अलग वजह से चर्चा में आ गया। रातू के दलादिली स्थित फार्म हाउस परिसर में अचानक एक कोबरा सांप दिखाई दिया। सांप को देखते ही वहां मौजूद कर्मचारियों के बीच हलचल बढ़ गई। आनन-फानन में स्नेक रेस्क्यू एक्सपर्ट नारायण प्रमाणिक को इसकी सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम फार्म हाउस पहुंची। पहले सांप की लोकेशन का जायजा लिया गया और फिर काफी मशक्कत के बाद सांप को सुरक्षित पकड़ लिया गया। रेस्क्यू एक्सपर्ट के अनुसार, पकड़े गए कोबरा की उम्र लगभग 18 साल है। रेस्क्यू के दौरान उसके शरीर पर मामूली चोट आई। सांप को पकड़ने के बाद उसकी प्राथमिक देखभाल की गई। इसके बाद उसे फार्म हाउस से दूर सुरक्षित जंगल में ले जाकर छोड़ दिया गया।

सांप के फार्म हाउस में मिलने की खबर आसपास के लोगों तक पहुंची तो मौके पर भीड़ जमा हो गई। राहत की बात रही कि सांप को समय रहते सुरक्षित निकाल लिया गया और किसी तरह की अप्रिय घटना नहीं हुई। घटना के वक्त धोनी के परिवार का कोई सदस्य फार्म हाउस में मौजूद नहीं था। स्नेक रेस्क्यू एक्सपर्ट नारायण प्रमाणिक ने बताया कि उन्हें फोन आया था कि महेंद्र सिंह धोनी के फार्म हाउस में कोबरा सांप घुस आया है। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि सांप को रेस्क्यू करने में काफी परेशानी हुई, लेकिन सावधानी के साथ उसे पकड़ लिया गया और बाद में जंगल में सुरक्षित छोड़ दिया गया।

नारायण प्रमाणिक ने लोगों से अपील की है कि रिहायशी इलाके या घर के आसपास सांप दिखाई देने पर उसे मारने की कोशिश न करें। घबराने के बजाय तुरंत प्रशिक्षित रेस्क्यू एक्सपर्ट को सूचना दें। इससे सांप को भी बचाया जा सकता है और लोगों को भी अनावश्यक खतरे से दूर रखा जा सकता है।

मतदाता की पहचान धर्म से नहीं, संवैधानिक अधिकार से होती है : राकेश सिन्हा

संवाददाता

रांचीः विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर भाजपा के बयान पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने भाजपा पर धर्म के नाम पर राजनीति करने और मतदाता सूची की प्रक्रिया को लेकर बेवजह भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। सिन्हा ने कहा कि भाजपा की राजनीति अब इस स्तर तक पहुंच गई है कि उसे हर मुसलमान घुसपैठिया और हर अधिकारी विपक्ष का एजेंट नजर आने लगा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा पहले स्पष्ट करे कि उसे वास्तव में मतदाता सूची की जांच चाहिए या धर्म के आधार पर मतदाताओं की छंटनी करनी है। यदि किसी व्यक्ति की नागरिकता या मतदाता सूची में नाम को लेकर वास्तविक आपत्ति है तो कानून में इसकी पूरी प्रक्रिया निर्धारित है। भाजपा के पास प्रमाण है तो उसे सामने लाना चाहिए, अन्यथा बिना आधार के घुसपैठिए तलाशना बंद करना चाहिए।

राकेश सिन्हा ने भाजपा के इस आरोप को भी हास्यास्पद बताया कि निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी ने पहले ही तय कर लिया है कि प्रपत्र-7 स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा को ऐसा लगता है तो वह प्रमाण के साथ चुनाव आयोग के समक्ष जाए। केवल संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाने से चुनावी प्रक्रिया नहीं चलती और न ही संविधान भाजपा के पार्टी कार्यालय से संचालित होता है।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा को निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी में सरकार का एजेंट दिखाई दे रहा है, लेकिन अपने नेताओं की बयानबाजी में राजनीतिक एजेंडा नजर नहीं आ रहा। उन्होंने सवाल उठाया कि जब भाजपा के पास आरोपों के समर्थन में दस्तावेज नहीं हैं तो फिर इतने गंभीर आरोप किस आधार पर लगाए जा रहे हैं।

सिन्हा ने कहा कि साहिबगंज, पाकुड़ और दुमका का नाम लेकर पूरे समुदाय को कटघरे में खड़ा करना बंद किया जाना चाहिए। कुछ कथित मामलों को आधार बनाकर लाखों नागरिकों की निष्ठा और नागरिकता पर सवाल उठाना भाजपा की विभाजनकारी राजनीति का नया रूप है। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा को वास्तव में घुसपैठियों की चिंता है तो नाम, पता, प्रमाण और कार्रवाई का पूरा ब्यौरा सार्वजनिक करे। केवल घुसपैठिया कहने से कोई भारतीय घुसपैठिया नहीं हो जाता।

एसआईआर में गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी : आदित्य साहू

रांची : विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने झारखंड सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार इस प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए हर तरह के हथकंडे अपना रही है। प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में साहू ने आरोप लगाया कि झामुमो-कांग्रेस गठबंधन सरकार विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है और एक विशेष समुदाय के नाम मतदाता सूची में अवैध रूप से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। साहू ने कहा कि झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू होने से पहले ही झामुमो और कांग्रेस ने इसके विरोध और बहिष्कार की बात कही थी। अब प्रक्रिया शुरू होने के बाद इसे प्रभावित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संथाल परगना में सामने आ रही विसंगतियां केवल मतदाता सूची का मामला नहीं, बल्कि लोकतंत्र की पारदर्शिता से जुड़ा गंभीर विषय है। साहिबगंज, राजमहल और पाकुड़ क्षेत्र में मतदाता सूची में उम्र संबंधी गड़बड़ियां सामने आने का दावा करते हुए उन्होंने संथाल परगना के संवेदनशील क्षेत्रों में मतदाता सूची का शत-प्रतिशत सत्यापन कराने की मांग की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि हेमंत सरकार ने प्रशासनिक पदों पर बैठे अधिकारियों को सरकारी सेवक के बजाय झामुमो-कांग्रेस का मतदान अभिकर्ता बना दिया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की कथित मिलीभगत से एक खास वर्ग के अधिक से अधिक लोगों के नाम मतदाता सूची में जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि चुनावी प्रक्रिया में राजनीतिक दखल क्यों दिया जा रहा है और प्रशासनिक अधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों तथा बाल विकास परियोजना पदाधिकारियों के साथ राजनीतिक बैठकें कर मतदाता सूची को लेकर योजनाएं क्यों बनाई जा रही हैं। साहू ने बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर भी राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि झामुमो-कांग्रेस सरकार का राजनीतिक आधार ऐसे मतदाताओं पर निर्भर हो गया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठ से जुड़े मामलों में सरकार का रवैया पहले से सवालों के घेरे में रहा है और विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान सामने आ रही विसंगतियों से ये सवाल और गंभीर हुए हैं।

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के निधन पर बीएयू में शोक सभा

रांची : झारखंड सरकार के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन पर बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में शोक सभा का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारियों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों, कर्मियों और विद्यार्थियों ने भाग लिया।

अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए बीएयू के कुलपति डॉ एससी दुबे ने कहा कि मंत्री सुदिव्य कुमार बहुत सुलझे हुए व्यक्तित्व के धनी और प्रगतिशील विचारों वाले जनप्रतिनिधि थे। राज्य में उच्च शिक्षा के विकास के लिए उन्होंने बहुत प्रभावी रोडमैप तैयार किया था। राज्य के संसाधनों के अंतर्गत वह विद्यार्थियों को हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कृत संकल्प थे। वह दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भी उतने ही प्रिय थे जितना वर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को। उनका असमय चला जाना न केवल परिवार और उनकी पार्टी के लिए बल्कि समस्त राज्यवासियों के लिए अपूरणीय क्षति है।

कृषि संकाय के डीन डॉ डीके शाही ने कहा कि शिक्षा जगत और समाज के सुधार और विकास के लिए उनके द्वारा किए गए कार्य सदा स्मरणीय रहेंगे। निदेशक, कार्य एवं संयंत्र मनोज कुमार वर्मा ने कहा कि वह अभियंताओं से हर परियोजना के तकनीकी पहलुओं पर विशद चर्चा करते थे।

अंत में 2 मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की चिरशांति तथा परिवार जनों के धैर्य धारण हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई।

पेपरलीक में बिहार कनेक्शन से राज्य बदनाम नहीं होता : मरांडी

रांची : नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने जेएमएम द्वारा जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा से जुड़ी अनियमितता में एक आरोपी के बिहार कनेक्शन होने को लेकर एक्स पर किए गए एक पोस्ट पर झामुमो की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि केवल अपने अपराध कृत्य के लिए एवं किसी राज्य के चंद लोगों के कुकर्मों की सजा से एक समृद्ध एतिहासिक विरासत समेटे राज्य को बदनाम करना कहीं से भी उचित नहीं है। मरांडी ने कहा कि झारखंड की देवभूमि देवघर का अभय तिवारी जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं में अनियमितता का मास्टरमाइंड निकला तो उसके गुनाह का बदला देवघर से लेंगे, गिरिडीह के आपके जिलाध्यक्ष का नौकरी में वसूली का ऑडियो वायरल है, क्या उसकी जिम्मेदारी पूरे गिरिडीह और झामुमो की है। पलामू के रवि मास्टर, हजारीबाग का लालू यादव, बोकारो का सानंद प्रकाश समेत कई लोग सीआईडी की रडार पर हैं। क्या उनके जिले के लोगों का भी ऐसे ही कनेक्शन लिखएगा? मरांडी ने सवाल उठाते हुए पूछा कि नौकरी बेचने के लिए एल ख्यांग्ते को किसने जेपीएससी का अध्यक्ष बनाया? जेएसएससी में पेपर लीक हुआ, नीरज सिन्हा को किसने जेएसएससी का अध्यक्ष बनाया था? विनोद सिंह का कनेक्शन कहां से है? अनुराग गुप्ता को किसने रिटायरमेंट के बाद डीजीपी बनाया, ताकि सीजीएल पेपर लीक की जांच को मोड़ा जा सके? उन्होंने कहा कि आखिर सीआईडी की जांच को गलत दिशा में मोड़ने वाले, नौकरी बेचने के बाद इसकी जांच में घोटाला करने वाले नीरज सिन्हा पर कोई कारवाई क्यों नहीं हुई? सुधीर गुप्ता आज भी अपने पद पर बने हुए हैं। वहीं अनुराग गुप्ता के एक-एक कारनामे लगातार सामने आ रहे हैं।

चैंबर चुनाव: टीम मुकेश अग्रवाल ने अपर बाजार में चलाया जनसंपर्क अभियान

रांची : फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर के चुनाव को लेकर मंगलवार को टीम मुकेश अग्रवाल ने अपर बाजार क्षेत्र में व्यापक प्रचार अभियान चलाया। टीम के सदस्यों ने कार्ट सराय, जालान रोड, जेजे रोड, नॉर्थ मार्केट, कपड़ा पट्टी, महावीर चौक और श्रद्धानंद रोड समेत विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में पदयात्रा कर व्यापारियों से संपर्क किया और अपने पक्ष में समर्थन मांगा। इस दौरान टीम के सदस्यों ने व्यापारियों से संवाद कर उनकी समस्याओं और अपेक्षाओं को जाना तथा चैंबर को और मजबूत बनाने के लिए टीम के विजन से अवगत कराया। अभियान के दौरान बड़ी संख्या में व्यापारियों से समर्थन की अपील की गई। अध्यक्ष पद के दावेदार मुकेश अग्रवाल ने कहा कि चुनाव में व्यापारियों का समर्थन उन्हें चैंबर को और अधिक सक्रिय, मजबूत और प्रभावी बनाने की जिम्मेदारी देगा। उनका उद्देश्य व्यापारियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाना और उनके समाधान के लिए मजबूती से प्रयास करना है। वही, वर्तमान अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, पूर्व अध्यक्ष कुणाल आजमानी, किशोर मंत्री समेत अन्य अध्यक्षों ने टीम मुकेश अग्रवाल के सभी सदस्यों के पक्ष न मतदान करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि टीम मुकेश अग्रवाल में कई चेहरे पहली बार चुनाव लड़ रहे है। चैंबर में अब बदलाव की जरूरत है। नए चेहरे को भी मौका मिलना चाहिए। इन नए उम्मीदवारों में कई ऊजार्वान और नई विजन वाले है। इन्हें एक बार मौका मिलना चाहिए। पद यात्रा में अमित अग्रवाल, अमित किशोर अग्रवाल, अमित मिश्रा, अशोक प्रधान, आस्था किरण, सीए राज कुमार, डॉ अभिषेक रामाधीन, माला कुजूर, मनीष जैन, अधिवक्ता निधि झुनझुनवाला, पौरुष जैन, प्रवीण लोहिया, पूर्णेंदु तुलस्यान, राहुल अग्रवाल, राजेश गाडोदिया (आनंद), श्रीकृष्ण अग्रवाल, सुनील कालरा, सुनील गुप्ता, तेजविंदर सिंह, उमंग सुल्तानिया समेत अन्य लोग मौजूद थे। यह जानकारी अमित अग्रवाल ने दी।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, सिमडेगा।

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

जलडेगा (बाँसजोर ओ0पी0) थाना यू0डी0 कांड सं0–28/26, दिनांक–30.08.2026 अज्ञात पुरूष शव बरामदगी में दर्ज किया गया है, बांसजोर ओ0पी क्षेत्र भुकुमुण्डा बाजार के पास एक अज्ञात व्यक्ति जिसका उम्र–करीब 55 वर्ष का शव बरामद हुआ है। शव को सिमडेगा हॉस्पिटल भेजा गया है। पोस्टमार्टम के पश्चात शव के पहचान हेतु सदर अस्पताल, सिमडेगा के शीत गृह में रखा गया है। अज्ञात शव का पहचान अबतक नहीं हो पाया है। अज्ञात शव का हुलिया एवं फोटो का विवरणी निम्नवत् है:–

लिंग :–पुरूष।
आयु :–करीब 55 वर्ष।
ऊँचाई :–करीब 05 फीट 02 ईंच
शरीर :– सामान्य

अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त अज्ञात पुरूष शव के बारे में पता चलता है तो नीचे अंकित दूरभाष नं0 पर अविलंब सूचित करेंगे।

पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा – मोबाइल नं0–9431116444
पुलिस उपाधीक्षक, (मु0) सिमडेगा – मोबाइल नं0–9431706227
थाना प्रभारी, बांसजोर ओ0पी – मोबाइल नं0–9608015591
पुलिस नियंत्रण कक्ष, सिमडेगा – मोबाइल नं0–9262998531
मानव तस्करी संबंधी टोल फ्री नं0 – मोबाइल नं0–1800–3456–256

पुलिस अधीक्षक,
सिमडेगा।

PR 389220 (Simdega) 26-27 (D)

सेल में साइबर हाइजीन और सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम

रांची : सेल की रांची इकाइयों के अधिकारियों के लिए मंगलवार को प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान, सेल, रांची में ह्यसाइबर स्वच्छता और सुरक्षाह्न विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्रीय सतर्कता आयोग के सतर्कता जागरूकता अभियान-2026 के तहत आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों को तेजी से बदलते साइबर खतरों के प्रति जागरूक करना तथा सुरक्षित एवं जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार को लेकर उनकी समझ मजबूत करना था।

कार्यक्रम में साइबर अपराध के बढ़ते और जटिल स्वरूप पर विस्तार से चर्चा की गई। रांची के साइबर पुलिस उपाधीक्षक प्रदीप कुमार और झारखंड पुलिस के अवर निरीक्षक आरके मिश्रा ने अधिकारियों को साइबर अपराध के नए तौर-तरीकों की जानकारी दी। इस अवसर पर मानव संसाधन एवं अधिगम-विकास के कार्यपालक निदेशक संजय धर तथा सेल के डिजिटल रूपांतरण प्रभाग के कार्यपालक निदेशक दीपक जैन भी उपस्थित रहे।

वक्ताओं ने बताया कि साइबर अपराधी लोगों को अपने जाल में फंसाने के लिए सामाजिक अभियांत्रिकी के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भी तेजी से इस्तेमाल कर रहे हैं। अधिकारियों को अधिकारी या कंपनी प्रमुख बनकर ठगी, फर्जी नौकरी एवं व्यापारिक प्रतिनिधित्व के नाम पर धोखाधड़ी, विदेशी प्रेम और उपहार के नाम पर ठगी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से बनाए गए नकली वीडियो और आवाज, एटीएम एवं कार्ड से संबंधित धोखाधड़ी, मोबाइल चोरी, एक बार इस्तेमाल होने वाले संकेतांक के दुरुपयोग, सिम बदलकर ठगी, मोबाइल सेवा संकेत आधारित धोखाधड़ी, संदेश सेवा के माध्यम से ठगी और यौन शोषण की धमकी देकर वसूली जैसे अपराधों के बारे में जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में साइबर स्वच्छता के लिए मजबूत और अलग-अलग कूटशब्द रखने, दो-स्तरीय प्रमाणीकरण सक्रिय करने, सक्रिय सत्रों एवं खाते से जुड़े सुरक्षा संदेशों की नियमित समीक्षा करने, मोबाइल और अनुप्रयोगों को समय पर अद्यतन रखने तथा संदिग्ध कड़ियों एवं संलग्नकों से बचने की सलाह दी गई। सार्वजनिक वाई-फाई का उपयोग करते समय विशेष सावधानी बरतने तथा एक बार इस्तेमाल होने वाले संकेतांक, गुप्त अंक, कार्ड सत्यापन अंक, एकीकृत भुगतान प्रणाली का गुप्त अंक और सत्यापन संकेत जैसी संवेदनशील जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करने पर भी जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि किसी भी जरूरी अथवा असामान्य अनुरोध पर कार्रवाई करने से पहले स्वतंत्र रूप से उसकी पुष्टि करना बेहद जरूरी है। विशेष रूप से धनराशि भेजने के अनुरोध, किसी परिचित या अधिकारी का रूप धारण कर किए गए संपर्क, संदिग्ध कड़ियों तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार आवाज या वीडियो के मामलों में ह्रुरुकें-पुष्टि करें-फिर कार्रवाई करेंह्न के सिद्धांत का पालन करने की सलाह दी गई। अधिकारियों को साइबर ठगी होने की स्थिति में तत्काल शिकायत दर्ज कराने के महत्व की जानकारी भी दी गई। राष्ट्रीय साइबर अपराध सहायता नंबर 1930 और राष्ट्रीय साइबर अपराध शिकायत पोर्टल को तत्काल शिकायत के महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में बताया गया।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़

ई० अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई–निविदा सं० :*RDSD/RAMGARH/25/2026-27*

1.कार्य की विस्तृत विवरणी :–DMFT मद अन्तर्गत।

क्र	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि (रू०)	परिसाण विपत्र का मूल्य (रू०)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	RDSD/RGH/25/2026-27	Patratu	Repair of Arvind Middle School Kalyan Gurukul Hostel Building At- Patratu in Ramgarh District.	1832100	37000	5000	03 (तीन माह)

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– दिनांक 19.09.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक 19.09.2026 से 25.09.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 28.09.2026 अपराह्न 02:00 बजे।
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, रामगढ़।
7. ई निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० :– 7488152930
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है। तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बन्द कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही संबंधित संवेदक की होगी।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट *Jharkhandtenders.gov.in* एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल,रामगढ़

PR 389258 District(26-27).D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

कुटीर उद्योग बना अवैध शराब का धंधा

मध्य प्रदेश में अवैध शराब के निर्माण ने कुटीर उद्योग का रूप ले लिया है। इस शराब का निर्माण बड़े पैमाने पर सीधे-सीधे आसवनी भट्टियों में हो रहा है। यह शराब ड्रमों में लाकर रसायानों से बनाई जा रही है। सागर जिले के बंडा तहसील के ग्राम ततरबारा में अवैध शराब निर्माण की जो फैक्ट्री बताई जा रही है, उसमें बाकायदा अलग-अलग ब्रांड की शराब तैयार करके बोतलों में पैकिंग की जाती थी। यानी शराब निर्माण के सभी उपकरण इस फैक्ट्री में मौजूद थे। इस निर्माण से जुड़े नेटवर्क के तार मुरैना से भी जुड़े बताए जा रहे है। आमतौर से देशी तरीके से बनाई जा रही शराब भी जहरीली शराब में तब बदल जाती है, जब उसमें घटिया सामग्री का असंतुलित घालमेल बैठा दिया जाता है। ऐसा ज्यादा कमाई के चक्कर में किया जाता है, जो दीन-हीनों की मौत का कारण बन जाती है। एक समय जब देशी शराब महुआ, गुड़ और अनाजों से प्राकृतिक तरीके से बनाई जाती थी, तब यह खास घातक नहीं होती थी, किंतु जब से इस शराब का निर्माण रसायनों से होने लगा है, तब से मध्य प्रदेश में ही नहीं देशभर में इस शराब के पीने से निरंतर मौतों की घटनाएं सामने आ रही हैं। धार्मिक नगरियों वाला मध्य प्रदेश ऐसी शराब का गढ़ बन गया है। मध्य प्रदेश की गलत आबकारी नीति भी इस शराब के निर्माण को बढ़ावा देने का काम कर रही है। शराब के लगातार कहर ढहाने के बाद भी नीति-नियंता इसलिए बेफिक्र रहते हैं, क्योंकि एक तो ऐसी शराब पीने से गरीब और वंचित लोगों की मौतें होती हैं, दूसरे, अब देशी-विदेशी शराब ठेकों में अला राजनेता, आबकारी एवं पुलिस विभाग के नौकरशाह भागीदार हो गए है। इस जहरीली शराब कांड में जिन 30 शराब विक्रेताओं को आरोपी बनाया गया है, उनमें सत्तारूढ़ दल से जुड़े दो सरपंच और एक शराब ठेकेदार शामिल हैं। कुछ आरोपितों को सीधे-सीधे एक पूर्व मंत्री से जुड़ा बताया जा रहा है। साफ है, प्रदेशभर में शराब निर्माण और विक्रय की ठेकेदारी ऐसे लोगों के हाथ में है, जो बाहुबली होने के साथ ऊंची पहुंच रखने वाले है। इसलिए जो भी कार्यवाही होगी वह तत्काल तो मीडिया में असरकारी दिखेगी लेकिन फिर दर्ज एफआईआर शून्य में बदलती चली जाएंगी। प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने तीन साल पहले शराबबंदी की मुहिम चलाई थी, लेकिन तब के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की चतुराई के चलते वह नक्कारखाने की तूती साबित हुई। शराब की दुकानें और शराब बिक्री के लिए जो नई आबकारी नीति सामने आई थी, उसमें उमा भारती की मुहिम और धमकी का कोई असर दिखाई नहीं दिया था। इस अबकारी नीति के सामने आने के समय से ही अनेक अनुत्तरित सवाल आज भी खड़े हुए हैं। नीति में स्पष्ट नहीं है कि जो शुष्क दिन है, मसलन गांधी जयंती, 15 अगस्त, 26 जनवरी, होली और चुनाव प्रक्रिया के दौरान घरों में शराब का बार खोलने की जो छूट चली आ रही है, वह यथावत जारी रहेगी या नहीं? होम-बार की आड़ में उज्जैन, ओरछा, ओमकारेश्वर जैसे पवित्र नगरों में भी शराबखोरी चलती रहेगी। हालांकि सरकार ने प्रत्यक्ष तौर पर कोई भी नई दुकान खोलने का निर्णय इस नीति में नहीं लिया है, परंतु पिछले दरवाजे से शराब बेचने की पगडंडियां खुली छोड़ दी गई है। देशी शराब की दुकान पर विदेशी और विदेशी शराब की दुकान पर देशी शराब बेची जाती रहेगी। फैसले से स्पष्ट होता है कि सरकार ने तकनीकी रूप से कानूनी झोल की सुविधा बरकरार रखकर यथासिथति बनाए रखी है। नई आबकारी नीति से सबसे ज्यादा फजीहत उमा भारती की हुई थी। ओरछा की जिस शराब की दुकान पर भारती ने गोबर फेंककर आक्रोष प्रकट किया था, वहां से भी दुकान बदली नहीं गई। अंत में भारती ने राजनीतिक चतुराई बरतते हुए रामराजा मंदिर मार्ग पर खुली दुकान का सारा दोश प्रशासन पर मढ़कर अपनी मुहिम को विराम दे दिया था। यह दुकान पहले नगर में अंदर की तरफ डेढ़ किमी दूर थी, किंतु तब कमाई कम होती थी, ठेकेदार को लाभ दिलाने के लिए जिला आबकारी विभाग ने यह दुकान मंदिर के प्रवेष द्वार पर खुलवा दी। इस दुकान के खोले जाने का विरोध ओरछा के नागरिकों, विद्यार्थी परिशद्, बजरंग दल के नेताओं ने संयुक्त रूप से किया था। लेकिन बात नहीं बनी। प्रदेश सरकार इस दुकान के आगे नतमस्तक हो गई थी। इस पराजय के बाद से उमा भारती ने शराबबंदी की मुहिम से पूरी तरह तौबा कर आंखें मूंद लीं। शराबबंदी को लेकर अक्सर यह प्रश्न खड़ा किया जाता है कि इससे होने वाले राजस्व की भरपाई कैसे होगी और शराब तस्करी को कैसे रोकेंगे? ये चुनौतियां अपनी जगह बाजिव हो सकती हैं लेकिन शराब के दुष्प्रभावों पर जो अध्ययन किए गए हैं, उनसे पता चलता है कि उससे कहीं ज्यादा खर्च, इससे उपजने वाली बीमारियों और नशा-मुक्ति अभियानों पर हो जाता है। इसके अलावा पारिवारिक और सामाजिक समस्याएं भी नए-नए रूपों में सुरसामुख बनी रहती हैं। घरेलू हिंसा से लेकर कई अपराधों और जानलेवा सड़क दुर्घटनाओं की वजह भी शराब बनती है। यही कारण है कि शराब के विरुद्ध खासकर ग्रामीण परिवेश की महिलाएं मुखर आंदोलन चलातीं, समाचार माध्यमों में दिखाई देती हैं। इसलिए महात्मा गांधी ने शराब के सेवन को एक बड़ी सामाजिक बुराई माना था। उन्होंने स्वतंत्र भारत में संपूर्ण शराबबंदी लागू करने की पैरवी की थी। ह्ययंग इंडियाह्न में गांधी ने लिखा था, ह्यअगर मैं केवल एक घंटे के लिए भारत का सर्वशक्तिमान शासक बन जाऊं तो पहला काम यह करूंगा कि शराब की सभी दुकानें, बिना कोई मुआवजा दिए तुरंत बंद करा दूंगा।ह्न बावजूद गांधी के इस देश में सभी राजनीतिक दल चुनाव में शराब बांटकर मतदाता को लुभाने का काम करते हैं। वर्तमान में तो पूरे प्रदेश में शराब के साथ-साथ स्मैक, चरस की बिक्री धड़ल्ले से चल रही है। सर्वोच्च न्यायालय ने शराब पर अंकुश लगाने की दृष्टि से राष्ट्रीय राजमार्गों पर शराब की दुकानें खोलने पर रोक लगा दी थी। किंतु सभी दलों के राजनीतिक नेतृत्व ने चतुराई बरतते हुए नगर और महानगरों से जो नए बाइपास बने हैं, उन्हें राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की अधिसूचना जारी कर दी और पुराने राष्ट्रीय राजमार्गों का इस श्रेणी से विलोपीकरण कर दिया। मध्य प्रदेश में भी यही किया गया। साफ है, शराब की नीतियां शराब कारोबारियों के हित दृष्टिगत रखते हुए बनाई जा रही हैं। यह हित इसलिए साधे जा रहे हैं क्योंकि ठेकेदारों के साथ राजनेता और अधिकारी भी इस गठबंधन के हिस्सेदार हो गए हैं। यदि ये शामिल नहीं है तो साफ है शराब माफिया सरकार पर भारी हैं। अतएव जहरीली शराब का यह गोरखधंधा भविष्य में भी रुकने वाला नहीं है। सवाल है कि उमा भारती शराबबंदी के लिए सड़क पर उतरेंगी, ऐसा लगता तो नहीं है।

हनुमान अंश : भारत की जड़ों से संवाद करती फिल्म

इसी चेतना का एक उज्ज्वल प्रतिबिंब है ह्यहनुमान अंशह्न। यह केवल एक फिल्म नहीं, भारतीय जीवन-दर्शन की उस धारा का सिनेमाई रूप है, जो मनुष्य को उसकी मिट्टी, उसकी आस्था, उसकी संस्कृति और उसकी आत्मिक पहचान से जोड़ती है। भारत वह भूमि है, जिसकी आत्मा प्रकाश में रमी हुई है। ह्यहनुमान अंशह्न इसी प्रकाश का एक चलचित्र है।

सुरेश हिंदुस्तानी

भारत को समझना हो तो उसकी जड़ों तक जाना होगा और भारत की जड़ों को समझना हो तो उसकी आध्यात्मिक चेतना को अनुभव करना होगा। इसी चेतना का एक उज्ज्वल प्रतिबिंब है ह्यहनुमान अंशह्न। यह केवल एक फिल्म नहीं, भारतीय जीवन-दर्शन की उस धारा का सिनेमाई रूप है, जो मनुष्य को उसकी मिट्टी, उसकी आस्था, उसकी संस्कृति और उसकी आत्मिक पहचान से जोड़ती है। भारत वह भूमि है, जिसकी आत्मा प्रकाश में रमी हुई है। ह्यहनुमान अंशह्न इसी प्रकाश का एक चलचित्र है। इसकी चमक केवल पर्दे पर दिखाई देने वाली रोशनी नहीं बल्कि दर्शक के भीतर जागने वाली अनुभूति है। यही कारण है कि यह फिल्म धीरे-धीरे दर्शकों के मन में स्थान बनाती गई और देखते ही देखते एक असाधारण सिनेमाई घटना में परिवर्तित हो गई। फिल्म की यात्रा भी अपने आप में एक कहानी है। शुरूआत में इसका प्रदर्शन सीमित रहा। प्रचार का विस्तार भी अपेक्षाकृत छोटा था। पहले दिन इसकी कमाई लगभग दस लाख रुपये रही और शुरूआती सप्ताह में भी इसकी गति साधारण रही। लेकिन भारतीय समाज की एक विशेषता है, जब कोई कथा उसके मन की गहराई को छू लेती है, तब उसके प्रचार का माध्यम स्वयं समाज बन जाता है। यही ह्यहनुमान अंशह्न के साथ हुआ।

दर्शकों ने फिल्म देखी, अनुभव की और फिर उसके बारे में अपने परिवार, मित्रों और परिचितों से बात की। धीरे-धीरे वर्ड ऑफ माउथ ने वह काम किया, जिसे बड़े प्रचार अभियान भी हमेशा नहीं कर पाते। शो बढ़ने लगे, दर्शकों की संख्या बढ़ी और तीसरे-चौथे सप्ताह तक फिल्म ने ऐसी छलांग लगाई कि व्यापार विश्लेषक भी इसकी गति को असाधारण मानने लगे। एक रिपोर्ट के अनुसार चौथे सप्ताह तक फिल्म भारत में 70 करोड़ से अधिक की कमाई कर चुकी थी और इसके शो शुरूआती संख्या से कई गुना बढ़ गए। आज उपलब्ध बॉक्स ऑफिस आंकड़े इस यात्रा को और अधिक प्रभावशाली बनाते हैं। लगभग 2 करोड़ के बजट में बनी फिल्म ने 100 करोड़ के आसपास की कमाई का आंकड़ा पार किया है। यह अनुपात अपने आप में भारतीय सिनेमा के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत है। यहाँ प्रश्न केवल कमाई का नहीं है। असली प्रश्न है दर्शकों ने इसमें ऐसा क्या देखा, जो उन्हें बार-बार सिनेमाघर तक ले गया? उत्तर शायद इसकी कथा की आत्मीयता में छिपा है। ह्यहनुमान अंशह्न नीम करोली बाबा के जीवन और आध्यात्मिक प्रभाव से प्रेरित फिल्म है। उनके जीवन में भक्ति, सेवा, प्रेम, करुणा और मानवता के भाव प्रमुख रहे। फिल्म ने इन्हीं भावों को केंद्र में रखकर एक ऐसी कथा प्रस्तुत की, जिसमें आध्यात्मिकता जीवन से अलग दिखाई देने वाली अवधारणा नहीं, बल्कि जीवन को अर्थ देने वाली अनुभूति बन जाती है।

आज का युवा संसार अत्यंत तीव्र गति से बदल रहा है। तकनीक, सोशल मीडिया, प्रतिस्पर्धा और उपलब्धियों की दौड़ ने जीवन की गति बढ़ाई है। ऐसे समय में मन को ठहराव देने वाली कथा, आत्मा को स्पर्श करने वाला विचार और अपनी सांस्कृतिक स्मृतियों से जोड़ने वाला अनुभव स्वाभाविक रूप से आकर्षण पैदा करता है। ह्यहनुमान अंशह्न की लोकप्रियता में इसी भावभूमि की महत्वपूर्ण भूमिका दिखाई देती है। कुछ विश्लेषणों ने भी इसकी सफलता को ऐसी कहानियों के प्रति दर्शकों की बढ़ती रुचि से जोड़ा है, जो उन्हें शांति और अपनी संस्कृति से जुड़ाव का अनुभव देती हैं। इस सफलता ने भारतीय फिल्म उद्योग के सामने एक महत्वपूर्ण विचार भी रखा है कि बजट फिल्म की भव्यता रच सकता है, लेकिन दर्शकों का प्रेम उसकी आत्मा तय करता है। बड़े सितारे, विशाल सेट, महंगा प्रचार और भारी निवेश अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं, किंतु अंततः सिनेमा दर्शक के हृदय में स्थान बनाकर ही दीर्घजीवी होता है। ह्यहनुमान अंशह्न ने सीमित संसाधनों के साथ जिस तरह दर्शकों तक अपनी पहुँच बनाई, वह इस बात का उदाहरण है कि कहानी में आत्मीयता हो, भाव में प्रामाणिकता हो और विषय समाज की चेतना से जुड़ा हो, तो दर्शक स्वयं उसके सबसे प्रभावशाली प्रचारक बन जाते हैं। इसी समय बड़े बजट की कुछ फिल्मों का अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन भी चर्चा में रहा। ह्यटॉक्सिकह्न और ह्यबंटवारा 1947ह्न जैसी फिल्मों के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन की तुलना में ह्यहनुमान अंशह्न की यात्रा ने बजट और दर्शक-स्वीकृति के संबंध पर नए सिरे से विमर्श को जन्म दिया है।

सबसे महत्वपूर्ण संकेत इसके दर्शक वर्ग से मिलता है। युवा पीढ़ी का इस तरह की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक कथा की ओर आकर्षित होना भारतीय समाज की बदलती रुचियों का संकेत माना जा सकता है। यह परिवर्तन केवल फिल्म की सफलता तक सीमित नहीं है। यह उस सांस्कृतिक आत्मविश्वास की ओर संकेत करता है, जिसमें आधुनिकता के साथ अपनी जड़ों के प्रति सम्मान भी समान रूप से उपस्थित है। यही ह्यहनुमान अंशह्न की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इसने दर्शकों को केवल एक फिल्म नहीं दी, बल्कि एक अनुभव दिया- अपनी मिट्टी को देखने का, अपनी परंपरा को महसूस करने का और अपनी सांस्कृतिक स्मृति से संवाद करने का अनुभव। सिनेमा के पर्दे पर चलती तस्वीरें कुछ घंटों में समाप्त हो जाती हैं, लेकिन कुछ कथाएँ दर्शक के भीतर आगे चलती रहती हैं। ह्यहनुमान अंशह्न ऐसी ही कथा बनती दिखाई दे रही है। इसलिए इसकी सफलता को केवल बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों में देखना अधूरा होगा। इसकी वास्तविक सफलता उस क्षण में है, जब कोई युवा सिनेमाघर से बाहर निकलकर अपने भीतर एक प्रश्न, एक अनुभूति और अपनी जड़ों से जुड़ने की एक नई आकांक्षा लेकर लौटता है। ह्यहनुमान अंशह्न भारत की उस जड़ का स्पर्श है, जिससे उसकी चेतना सदियों से पोषित होती आई है। यह उस प्रकाश की एक किरण है, जिसमें भारत स्वयं को पहचानता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

महिला सम्मान और दलित अधिकार की राजनीति में कांग्रेस का दोहरा चेहरा

भाजपा जो कह रही है, वह तो अपनी जगह है, पर उस वीडियो का क्या करें, जो साफ बता रहा है कि कैसे केरलम में कांग्रेस विधायक और पूर्व सांसद राम्या हरिदास के साथ कांग्रेस कार्यकताओं के कथित दुर्व्यवहार किया गया। हालांकि वीडियो सामने आने के बाद राम्या हरिदास की शिकायत पर सात कांग्रेस कार्यकताओं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण कानून की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय राजनीति में महिला सम्मान, सामाजिक न्याय और दलित अधिकार ऐसे मुद्दे हैं जिन पर किसी भी राजनीतिक दल से दोहरे मानदंड की अपेक्षा नहीं की जा सकती। विपक्ष में रहते हुए सत्ता पक्ष पर सवाल उठाना लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, किंतु जब वही कसौटी अपने संगठन और अपने शासन वाले राज्यों पर लागू होती है तो तस्वीर कई बार असहज करने वाली दिखाई देती है। भारतीय जनता पार्टी ने इसी विरोधाभास को लेकर कांग्रेस पर हमला तेज करते हुए कहा, महिलाओं की भागीदारी और दलित सम्मान की बात करने वाली कांग्रेस की कथनी और करनी में बड़ा अंतर है।

भाजपा जो कह रही है, वह तो अपनी जगह है, पर उस वीडियो का क्या करें, जो साफ बता रहा है कि कैसे केरलम में कांग्रेस विधायक और पूर्व सांसद राम्या हरिदास के साथ कांग्रेस कार्यकताओं के कथित दुर्व्यवहार किया गया। हालांकि वीडियो सामने आने के बाद राम्या हरिदास की शिकायत पर सात कांग्रेस कार्यकताओं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण कानून की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। हरिदास ने आरोप लगाया कि उन्हें एक कांग्रेस कार्यकर्ता के घर बुलाया गया और वहां उनके साथ हाथापाई तथा दुर्व्यवहार किया गया।

दलित सम्मान पर सवाल, तो अपने घर का जवाब कौन देगा?

कुछ दिन पहले कांग्रेस ने हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सभा के बाद मंच के कथित शुद्धिकरण को दलित अपमान से जोड़ते हुए एफआईआर की मांग की थी। किसी भी व्यक्ति की जाति के आधार पर अपमान या भेदभाव गंभीर विषय है और ऐसे आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। मगर राजनीतिक प्रश्न यह है कि यदि कांग्रेस दलित सम्मान के नाम पर दूसरे दलों से जवाब मांगती है तो क्या उसके लिए वही नैतिक कसौटी अपने संगठन पर भी लागू नहीं होनी चाहिए?

यहां ध्यान रखनेवाली बात यह भी है कि राम्या हरिदास कोई सामान्य राजनीतिक कार्यकर्ता नहीं हैं। वह कांग्रेस की नेता हैं, दलित समुदाय से आती हैं और केरल की राजनीति में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। साल 2019 में वह अलाथुर से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुई थीं। ऐसे में उनके साथ कांग्रेस कार्यकताओं के विवाद ने कांग्रेस के उस दावे को चुनौती दी है जिसमें वह स्वयं को सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों की आवाज के रूप में प्रस्तुत करती है।

वस्तुतः महिला सशक्तिकरण को लेकर कांग्रेस का सबसे चर्चित राजनीतिक संदेश रहा है, ह्यलड़की हूं, लड़ सकती हूंह्न। यही कारण है कि भाजपा ने कांग्रेस के महिला प्रतिनिधित्व के आंकड़ों को उसके सामने रखकर सवाल उठाया है। फिर ऐसी घटना होने पर सवाल उठाना स्वभाविक भी है, क्या महिला आरक्षण की वकालत करने वाली पार्टी को पहले अपने शासन वाले राज्यों में महिलाओं को पर्याप्त राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं देना चाहिए?

यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि राजनीतिक दलों में महिलाओं की भागीदारी अभी भी देश की एक बड़ी चुनौती है, पर कांग्रेस के मामले में विरोधाभास इसलिए अधिक राजनीतिक महत्व रखता है क्योंकि वह स्वयं महिला आरक्षण और महिला अधिकारों की राजनीति को अपने वैचारिक विमर्श का हिस्सा बनाती रही है। वैसे महिला आरक्षण की कहानी भी कांग्रेस के लिए पूरी तरह निर्विवाद नहीं रही है। ऐसे में केरलम में राम्या हरिदास के साथ हुआ विवाद इस बहस को एक और आयाम देता है। 2024 में भी कांग्रेस की केरल इकाई में महिला प्रतिनिधित्व को लेकर सवाल उठे थे। कांग्रेस की प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी द्वारा मैदान में उतारे गए 16 उम्मीदवारों में सिर्फ एक महिला उम्मीदवार होने पर सवाल उठाया था। उस समय पार्टी के भीतर से ही महिला प्रतिनिधित्व को लेकर असंतोष सामने आया था, इसलिए आज जब कांग्रेस महिला सम्मान और राजनीतिक भागीदारी का मुद्दा राष्ट्रीय मंच पर उठाती है, तो उसके सामने उसके अपने संगठन के भीतर से उठे सवाल भी खड़े होते हैं। असल समस्या यह नहीं है कि कांग्रेस किसी मुद्दे को उठाती क्यों है। लोकतंत्र में उसे हर मुद्दा उठाने का पूरा अधिकार है। समस्या तब पैदा होती है जब किसी घटना को दूसरे दल के खिलाफ सामाजिक न्याय का प्रमाण मान लिया जाए और अपने दल में वैसी ही घटना सामने आने पर उसे अंदरूनी विवाद, व्यक्तिगत झगड़ा या राजनीतिक षड्यंत्र बताकर आगे बढ़ने की कोशिश की जाए। यहां कांग्रेस भी समझे, महिला सम्मान और दलित सम्मान किसी दल की निजी राजनीतिक संपत्ति नहीं हैं। यदि किसी महिला के साथ दुर्व्यवहार होता है तो दोषी चाहे भाजपा का कार्यकर्ता हो, कांग्रेस का हो या किसी अन्य दल का रहे, कार्रवाई होनी चाहिए।

कांग्रेस के सामने अब चुनौती भाजपा के आरोपों का राजनीतिक जवाब देने से कहीं अधिक यह होगी कि वह बताए कि उसके अपने संगठन में महिलाओं और दलित नेताओं के लिए सम्मान, सुरक्षा और बराबर राजनीतिक अवसर की व्यवस्था कितनी मजबूत है। महिला आरक्षण कानून पारित हो चुका है। 2023 में संसद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को मंजूरी दी, जिसने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का संवैधानिक ढांचा तैयार किया। ऐसे समय में राजनीतिक दलों की असली परीक्षा यह है कि वे महिलाओं को सिर्फ चुनावी पोस्टर, भाषण और नारों तक सीमित न रखें । कांग्रेस अगर ह्यलड़की हूं, लड़ सकती हूंह्न कहती है तो उसे यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उसकी अपनी महिला नेता पार्टी के भीतर बिना भय और दबाव के अपनी बात कह सकें। अगर वह दलित सम्मान की राजनीति करती है तो उसे यह साबित करना होगा कि उसके संगठन में दलित नेताओं का सम्मान सिर्फ चुनावी मंच तक सीमित नहीं है। क्योंकि राजनीति में सबसे प्रभावी जवाब भाअतः कांग्रेस भाजपा पर जितने सवाल उठाती है, उतने ही सवाल अब उसके अपने दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं और लोकतंत्र में जनता का सवाल भी सीधा ही है, ह्नजिस सम्मान और प्रतिनिधित्व की मांग आप दूसरों से करते हैं, क्या वही सम्मान और प्रतिनिधित्व आप अपने घर में भी देते हैं? अब इसी प्रश्न के इर्दगिर्द कांग्रेस को अपने लिए प्रश्न करना चाहिए। यही उसकी महिला सशक्तिकरण और सामाजिक न्याय की राजनीति करने की वास्तविक परीक्षा है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

ज्योतिर्लिंग का पौराणिक इतिहास और चांदी के कवच की

भगवान शिव के पवित्र 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन मात्र से ही तमाम बाधाएं, ग्रह दोष, बुरे विचार और नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं। सावन के महीने में द्वादश ज्योतिर्लिंगों में किसी एक भी ज्योतिर्लिंग के दर्शन करना उस समान ही पुण्य देता है, जितना की चारधाम यात्रा से मिलता है। क्योंकि इस दौरान महादेव धरती पर निवास करते हैं और जो भी भक्त सच्चे मन से उनकी प्रार्थना करते हैं, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से छठवें ज्योतिर्लिंग 'भीमाशंकर' के बारे में बताने जा रहे हैं। शिव महापुराण में भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों का श्वलोक सौराष्ट्रे सोमनाथं च श्रीशैले

मल्लिकार्जुनम् उज्जयिन्यां महाकालं ओम्कारममलेश्वरम् ॥
परल्यां वैद्यनाथं च डाकिन्यां भीमशंकरं सेतुबन्धे तु रामेशं नागेशं दारुकावने ॥
वारणस्यां तु विश्वेशं त्रयंम्बकं गौतमीतटे हिमालये तु केदारं घृश्नेशं च शिवालये ॥
एतानि ज्योतिर्लिङ्गानि सायं प्रातः पठेन्नरः सप्तजन्मकृतं पापं स्मरणेन विनश्यति ॥

भीमाशंकर मंदिर का इतिहास

त्रेतायुग में त्रिपुरसुर नामक दैत्य था। उसने भगवान शिव की पूजा कर उनसे अमरता का वरदान प्राप्त किया। महादेव की तपस्या से खुश होकर महादेव ने उसको आशीर्वाद देते हुए कहा कि कोई भी महिला या पुरुष तुमको मार नहीं सकता है। भगवान शिव के आशीर्वाद से वह तीनों लोक में जमकर खूब आतंक मचाने लगा। सभी देवता और मनुष्य उस दैत्य के आतंक से परेशान हो गए हैं।

जिसक बाद सभी देवता भगवान शिव के शरण में पहुंचे और महादेव ने उस दैत्य को खत्म करने का फैसला किया। फिर महादेव और मां पार्वती ने अर्धनारी नटेश्वर के रूप में एक नया रूप धारण किया। फिर कार्तिका पूर्णिमा के दिन त्रिपुरासुर को मौत के घाट उतार दिया।

त्रिपुरासुर दैत्य की मौत के बाद उसकी पत्नियां डाकिनी और शाकिनी ने महादेव के पास त्रिपुरासुर के बिना अपने अस्तित्व के बारे में पूछा था। तब भगवान शिव ने दोनों को अमरता का वरदान दे दिया। जो महादेव ने त्रिपुरासुर को प्रदान किया था। तब से भीमाशंकर को 'डाकिन्यांभीशंकरम' के नाम से जाना जाता है।

जानें इस मंदिर से जुड़ी जानकारी

भीमाशंकर मंदिर चारों ओर पहाड़ियों से घिरा हुआ है। मंदिर की करीब 3.5 मीटर चौड़ा और करीब 15 मीटर लंबाई में है। माना जाता है कि छत्रपति शिवजी महाराज ने इस मंदिर का निर्माण कराया था। जिसके बाद इस मंदिर के शिखर को18वीं शताब्दी में नाना फडणवीस ने बनवाया था। इस ज्योतिर्लिंग से जुड़ी कई कथाएं प्रचलित हैं। जिसमें एक कथा यह भी है कि कुंभकर्ण के पुत्र का नाम भीम था। वह अपने पिता की मौत का बदला लेना चाहता था। जिसके लिए उसने घोर तपस्या की और ब्रह्माजी से विजय होने का वरदान प्राप्त किया। वरदान पाने के बाद उसने तीनों लोकों में आतंक मचाना शुरूकर दिया था। इसके बाद भोलेनाथ ने भीम राक्षस से युद्ध किया और उसका वध कर दिया था। जिसके बाद सभी देवताओं ने भगवान से वहीं पर शिवलिंग रूप में विराजमान होने का आग्रह किया। इस आग्रह को महादेव ने स्वीकार कर लिया। तभी से इसको भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग के नाम से जाना जाता है।

अधिकतर समय भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग पर चांदी का श्रृंगार रूपी कवच चढ़ा होता है। जिससे ज्यादातर समय ज्योतिर्लिंग के मूल स्वरूप के दर्शन नहीं कर पाते हैं। केवल कुछ समय के लिए दिन में इसके चांदी के कवच को हटाया जाता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

बाढ़ की स्थिति को देखते हुए गंगा घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़

नगर परिषद द्वारा विभिन्न घाटों पर बैरिकेडिंग एवं खतरे से संबंधित साइन बोर्ड का अधिष्ठापन

किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को न्यूनतम करना है

साहिबगंज : बाढ़ की वर्तमान स्थिति व गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए आमजनों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नगर परिषद साहिबगंज द्वारा नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न गंगा घाटों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

इसी क्रम में विभिन्न गंगा घाटों पर बैरिकेडिंग कराए जाने के साथ-साथ आमजनों को संभावित खतरे के प्रति सचेत करने हेतु खतरे से संबंधित साइन बोर्ड का भी अधिष्ठापन कराया गया है। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य नागरिकों को गहरे पानी व जोखिम वाले क्षेत्रों में जाने से रोकना तथा किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को न्यूनतम करना है। कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद साहिबगंज श्री अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि बाढ़ की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में नगर परिषद द्वारा आमजनों की सुरक्षा को लेकर आवश्यक कदम लगातार उठाए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि गंगा घाटों पर लगाए गए बैरिकेडिंग और चेतावनी संकेतों का पालन करें तथा खतरे वाले क्षेत्रों में जाने से बचें।नगर परिषद द्वारा नागरिकों से विशेष सावधानी बरतने एवं प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निदेशों का पालन करने की अपील की गई है।सुरक्षा ही सर्वोच्च प्राथमिकता सावधान रहें सुरक्षित रहें और स्वस्थ रहें।

बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच प्रशासन ने वितरित की खाद्य सामग्री

संवाददाता

साहिबगंज : जिले में गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर एवं बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य लगातार संचालित किए जा रहे हैं। प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने तथा उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े इसके लिए निरंतर निगरानी रखी जा रही है।इसी क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी, साहिबगंज श्री अमर जॉन आईन्द एवं अंचलाधिकारी श्री बासुकीनाथ टुडू के द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्र बड़ा रामपुर दियारा, टोपरा दियारा, रामनगर दियारा एवं बलुआटोली दियारा का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया गया। इस दौरान संबंधित क्षेत्रों में बाढ़ से प्रभावित परिवारों के बीच आवश्यक खाद्य सामग्री का वितरण किया गया।प्रशासनिक पदाधिकारियों द्वारा प्रभावित परिवारों से बातचीत कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली गई तथा उन्हें उपलब्ध कराई जा रही राहत सामग्री के संबंध में जानकारी दी गई। राहत सामग्री प्राप्त होने से प्रभावित परिवारों को इस चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में आवश्यक सहायता मिल सकी।अनुमंडल पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता नहीं होनी चाहिए। प्रभावित परिवारों की आवश्यकताओं का निरंतर आकलन करते हुए आवश्यकता के अनुरूप खाद्य सामग्री एवं अन्य आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने कहा कि बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जा रही है। लोगों की

अंत्योदय दिवस के अवसर पर विशेष रक्तदान शिविर आयोजित करें : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी श्री दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में रक्तदान जागरूकता व अनुश्रवण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में रक्त संग्रहण रक्तदान शिविरों के आयोजन एवं रक्त की उपलब्धता से संबंधित बिंदुओं पर समीक्षा किए। जबकि इस संदर्भ में उपायुक्त ने पिछले बैठक में दिए गए निदेशों की समीक्षा करते हुए नियमित रक्तदान शिविर आयोजित करने हेतु वार्षिक मासिक कैलेंडर तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रत्येक माह प्रमुख दिवसों के अवसर पर कम-से-कम दो रक्तदान शिविर आयोजित कर लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करने पर बल दिया जाए। जिससे सदर अस्पताल साहिबगंज स्थित रक्त केंद्र द्वारा अप्रैल से अगस्त 2026 तक कुल 1,453 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया। इस अवधि में 1,177 यूनिट रक्त सदर अस्पताल 175 यूनिट रक्त विभिन्न निजी अस्पतालों को उपलब्ध कराया गया। वहीं बैठक के दौरान उपायुक्त ने विशेष रूप से ए नेगेटिव सहित अन्य रक्त समूहों की उपलब्धता संभावित कमी को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने रक्त की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए नियमित रक्तदान शिविरों के आयोजन और जागरूकता गतिविधियों को प्रभावी बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि 14 सितंबर, 2026 को राष्ट्रीय हिंदी दिवस एवं 25 सितंबर 2026 को अंत्योदय दिवस के अवसर पर विशेष रक्तदान शिविर आयोजित करने का निर्देश सिविल सर्जन को दिया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को शिविरों के सफल आयोजन हेतु आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने को कहा। बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, डॉ. विजय कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

42 बच्चों को मिलेगा बेहतर भविष्य का सहारा

उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में बैठक नव चयनित लाभुकों के प्रस्ताव को मिली स्वीकृति

साहिबगंज:समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में स्पॉन्सरशिप योजना से संबंधित बैठक आयोजित की गई। बैठक में बाल कल्याण समिति से प्राप्त नव चयनित स्पॉन्सरशिप लाभुक बच्चों के प्रस्ताव पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। बच्चों के भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत कुल 42 बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना का लाभ प्रदान किए जाने के प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान किया गया।

अनुमोदित लाभुकों में 20 बालक एवं 22 बालिकाएं शामिल हैं। योजना के अंतर्गत पात्र बच्चों को उनके बेहतर भरण-पोषण शिक्षा स्वास्थ्य एवं समुचित देखभाल के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध क1राई जाएगी। इसके तहत प्रत्येक पात्र बच्चे को ?4,000 प्रतिमाह की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। यह आर्थिक सहयोग बच्चों की आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ उनकी शिक्षा को निरंतर जारी रखने तथा उनके सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने में .महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बैठक के दौरान उपायुक्त दीपक कुमार दूबे ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि स्पॉन्सरशिप योजना के अंतर्गत चयनित सभी पात्र बच्चों को निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप समयबद्ध तरीके से योजना का लाभ उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए योजना का प्रभावी एवं पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।उपायुक्त ने लाभुक बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सहायता राशि के समुचित उपयोग की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सहायता राशि का उपयोग बच्चों की शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य एवं आवश्यक देखभाल के लिए किया जाए, ताकि योजना के उद्देश्यों की प्रभावी पूर्ति हो सके। संबंधित पदाधिकारियों को लाभुक बच्चों की स्थिति पर निरंतर निगरानी रखते हुए आवश्यकता के अनुरूप आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने को कहा गया।उपायुक्त श्री दूबे ने कहा कि आर्थिक अभाव के कारण किसी भी बच्चे की शिक्षा एवं विकास प्रभावित नहीं होना चाहिए। बच्चों को सुरक्षित, स्वस्थ, संरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल है। सरकार द्वारा संचालित बाल संरक्षण कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जिले के पात्र एवं जरूरतमंद बच्चों तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि प्रत्येक बच्चे को शिक्षा पोषण संरक्षण एवं विकास के समान अवसर प्राप्त हो सकें।स्पॉन्सरशिप योजना का उद्देश्य जरूरतमंद एवं पात्र बच्चों को आर्थिक सहयोग प्रदान करते हुए उन्हें परिवार एवं समुदाय के बीच सुरक्षित वातावरण में रहने शिक्षा प्राप्त करने तथा उनके समुचित विकास के अवसर उपलब्ध कराना है। योजना के माध्यम से मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता बच्चों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायक होने के साथ-साथ उन्हें बाल संरक्षण से संबंधित जोखिमों से बचाने तथा उनके सर्वांगीण विकास और बेहतर भविष्य की आधारशिला मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी।जिला प्रशासन द्वारा बाल संरक्षण से संबंधित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है कि जिले का कोई भी पात्र बच्चा आर्थिक कठिनाइयों के कारण शिक्षा पोषण व आवश्यक देखभाल से वंचित न रहे। स्पॉन्सरशिप योजना के अंतर्गत चयनित 42 बच्चों को मिलने वाली सहायता इसी दिशा में जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।मौके पर उप विकास आयुक्त श्री सतीश चंद्रा जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी व अन्य उपस्थित थे।

डॉन योजना का उद्देश्य नशीले पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाना है : अखिल

संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नालसा और झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निदेर्शानुसा प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहिबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में जिले के बरहेट के संथाली पंचायत में जागृति योजना 2025 के तहत ह्यसशक्त युवा, सशक्त भारत अभियान तथा नालसा की डॉन योजना 2025 के अंतर्गत व्यापक विधिक एवं नशामुक्ति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। यह 60 दिवसीय विशेष मेगा जागरूकता अभियान 25 अगस्त 2026 से 23 अक्टूबर 2026 तक संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में बरहेट प्रखंड के संथाली पंचायत में पारा विधिक स्वयंसेवकों-न्याय मित्रों द्वारा विद्यालयों व ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पारा विधिक स्वयंसेवकों-न्याय मित्रों ने युवाओं विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी।कार्यक्रमों के दौरान मौलिक अधिकार, किशोर न्याय व्यवस्था कानून के उल्लंघन की स्थिति में किशोरों के अधिकार पहली बार अपराध करने वाले युवाओं के पुनर्वास तथा समाज की मुख्यधारा में उनकी वापसी से संबंधित महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों के बारे में जानकारी दी गई। जबकि नालसा की डॉन योजना 2025 ड्रग अवेयरनेस एंड वेलनेस नेविगेशन-फॉर ए ड्रग-फ्री इंडिया के संबंध में विशेष रूप से जागरूक किया गया। विद्यार्थियों और युवाओं को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य सामाजिक एवं पारिवारिक दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया।पारा विधिक स्वयंसेवकों-न्याय मित्रों ने बताया कि डॉन योजना का उद्देश्य नशीले पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाना व नशे की समस्या से प्रभावित व्यक्तियों को उचित स्वास्थ्य मार्गदर्शन एवं सहायता के प्रति जागरूक करना है। युवाओं से नशामुक्त समाज एवं नशामुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।वर्तमान डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों को ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित धोखाधड़ी, डीपफेक एवं अन्य साइबर अपराधों से बचाव के व्यावहारिक उपाय बताए गए। एकमुश्त पासवर्ड कूटशब्द एवं बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करने तथा संदिग्ध कड़ियों एवं संदेशों से सावधान रहने की सलाह दी गई। इसके अलावा विद्यालयों में रैगिंग विरोधी कानून एवं नालसा विद्यार्थी जागरूकता संसाधन, 2026 के संबंध में भी विद्यार्थियों को जागरूक किया गया।जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने बताया कि इस 60 दिवसीय विशेष मेगा अभियान के दौरान जिले के बरहेट पंचायत में पारा विधिक स्वयंसेवकों-न्याय मित्रों के माध्यम से लगातार विधिक एवं नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विधिक जागरूकता को सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाना तथा युवाओं को अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सजग करना है। उन्होंने कहा कि ह्यजागृति योजना और डॉन योजना के माध्यम से युवाओं को विधिक रूप से जागरूक नशामुक्त जिम्मेदार एवं सशक्त नागरिक बनाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि वे अपराध एवं नशे से दूर रहकर समाज और राष्ट्र के विकास में सकारात्मक भूमिका निभा सकें।

न्यूज IN ब्रीफ

सांसद मनीष जायसवाल ने दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को दी श्रद्धांजलि

हजारीबाग : हजारीबाग लोकसभा सांसद मनीष जायसवाल ने सोमवार को दिवंगत झारखंड कैबिनेट मंत्री एवं गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू के नरसिंह रायडीह स्थित आवास पहुंचकर उनके शोकाकुल परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने दिवंगत नेता की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर गहरी संवेदना व्यक्त की और उनके आकस्मिक निधन को राज्य के लिए अपूरणीय क्षति बताया।शोक संवेदना व्यक्त करने के बाद सांसद जायसवाल संगठनात्मक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने धनबाद पहुंचे। धनबाद पहुंचने पर विधायक राज सिन्हा सहित कई भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद वे जिला भाजपा कार्यालय सभागार में आयोजित 25 वर्ष सेवा संकल्प अभियान में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और वहां मौजूद कार्यकताओं को संबोधित किया।

पांच वर्ष तक के बच्चों को दिया जाएगा दूध बिस्कुट

बरकट्ठा : मानव विकास संस्था के तत्वावधान में जीव दया फाउंडेशन के सहयोग से प्रखंड के तीन गांव धरहरा के बिरहोर टोला, लगनवां के मलहोर टोला और गोरहर पंचायत के कोलवारिया स्थित कोल टोला में आदिम जनजाति समुदाय के बच्चों में कुपोषण की स्थिति को देखते हुए उनके स्वास्थ्य, पोषण, देखभाल एवं प्रारंभिक शिक्षा को सुदृढ़ करने को लेकर छह माह से पांच वर्ष के बच्चों को पौष्टिक आहार में दूध और बिस्कुट दिया जाएगा। मानव विकास संस्था के सचिव बीरबल प्रसाद ने बताया कि छह माह से पांच वर्ष तक आयु के बच्चों को नियमित एवं पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना, उनके स्वास्थ्य की निगरानी करना तथा माता-पिता एवं अभिभावकों में बच्चों के समुचित पोषण और देखभाल के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। चयनित बच्चों को प्रतिदिन बिस्किट एवं दूध उपलब्ध कराया जाएगा। ताकि उनके दैनिक पोषण में आवश्यक सुधार लाया जा सके। साथ ही बच्चों को उनकी आयु एवं क्षमता के अनुरूप व्यवहारिक ज्ञान, स्वच्छता संबंधी आदतें, व्यक्तिगत साफ-सफाई तथा प्रारंभिक शिक्षा प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम आठ सितंबर से तीनों गांवों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा वितरण कर शुभारंभ किया गया।

प्रांतीय गणित मेले में कुम्हारटोली के बाल वैज्ञानिकों का शानदार प्रदर्शन

हजारीबाग : विद्या विकास समिति, झारखंड द्वारा 5 एवं 6 सितंबर को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बरगंडा गिरिडीह में आयोजित प्रांतीय गणित मेला 2026 में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कुम्हारटोली, हजारीबाग के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने शिशु वर्ग प्रश्न मंच में द्वितीय, शिशु वर्ग प्रयोग में प्रथम, किशोर वर्ग प्रश्न मंच में प्रथम, तरुण वर्ग प्रश्न मंच में द्वितीय तथा बाल वर्ग प्रदर्श में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। विद्यालय की वंदना सभा में सभी विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। प्राचार्य शर्मेंद्र कुमार साहू ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए आगामी क्षेत्रीय विज्ञान मेले में भी सफलता की शुभकामनाएं दीं। मौके पर वरिष्ठ आचार्य अनिल कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।हजारीबाग पी4-पदक एवं ट्रॉफी के साथ शानदार प्रदर्शन करने वाले बाल वैज्ञानिक।

भेलवारा में मोबाइल दुकान में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

हजारीबाग : मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले भेलवारा गांव में सोमवार को हुई एक चोरी की घटना का पुलिस ने सफल उद्भेदन कर लिया है। एक मोबाइल दुकान का ताला तोड़कर की गई इस चोरी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी मो. अशरफ को गिरफ्तार कर लिया है और उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। यह जानकारी मुफस्सिल थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मो अशरफ के पास 4,800 रुपये नकद, चोरी गए मोबाइल फोन और अन्य सामग्रियां बरामद की है। इस मामले में स्थानीय थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई थी।पुलिस की तकनीकी और जमीनी सुरागकशी के आधार पर आरोपी मो. अशरफ की संलिप्तता पुख्ता होने के बाद उसकी गिरफ्तारी संभव हो सकी। थाना प्रभारी ने बताया कि क्षेत्र में इस तरह के अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार गश्त और अपराधियों की धरपकड़ अभियान चलाया जा रहा है। बरामद किए गए सामानों की जब्ती सूची बनाकर इसे साक्ष्य के रूप में न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

पीवीएम के 22वें रक्तदान शिविर में 22 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

हजारीबाग : पेलावल विकास मंच इके बैनर तले रविवार को 22वां रक्तदान शिविर दो चरणों में आयोजित किया गया। पहला चरण पेलावल दक्षिणी पंचायत भवन में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक तथा दूसरा चरण एसबीएमसीएच ब्लड बैंक में शाम 6:30 से 8 बजे तक चला। शिविर में कुल 22 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।शिविर का शुभारंभ रक्तवीर अब्दुल अहद उर्फ गुड्डू ने किया, जबकि समापन सादाब अंसारी ने अपना 26वां रक्तदान कर सिल्वर जुबली मनाते हुए किया। अजहर अल्ताफ, मो. अमन, अभिषेक गुप्ता और मो अमीन ने पहली बार रक्तदान किया।

वहीं रेहनाज परवीन ने दूसरी बार स्वैच्छिक रक्तदान कर महिलाओं के लिए प्रेरणा प्रस्तुत की।मुख्य अतिथि पेलावल ओपी थाना प्रभारी बिट्टू रजक ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अन्य रक्तदाताओं ने भी थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए रक्तदान किया। मंच के अध्यक्ष सह संस्थापक एम हक भारती, उपाध्यक्ष सुधीर कुमार, कोषाध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा, मो आरिफ और इंजमामुल हक भारती ने शिविर को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

क्रेडिट लिंकेज्ज को बढ़ावा देने के लिए बैंक सेंसिटाइजेशन कार्यक्रम आयोजित

साहिबगंज:एसबीआई आरसेटी साहिबगंज में प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को बेहतर क्रेडिट लिंकेज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आरसेटी साहिबगंज आरओबी पाकुड़ के सीएम क्रेडिट व जेएसएल पीएस पलाश के सभी प्रखंड प्रबंधकों के साथ बैंक सेंसिटाइजेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आरसेटी से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके अभ्यर्थियों को स्वरोजगार एवं उद्यम स्थापित करने के लिए बैंक ऋण से जोड़ना तथा ऋण प्रक्रिया को सरल एवं प्रभावी बनाना रहा।इस दौरान बैंक ऋण,क्रेडिट लिंकेज,ऋण आवेदन की प्रक्रिया एवं प्रशिक्षित लाभुकों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।कार्यक्रम में मुख्य रूप से आरओबी पाकुड़ के सीएम क्रेडिट अमित कुमार,जेएसएलपीएस के डीपीएम मार्टिन तरीक सहित सभी प्रखंडों के प्रखंड प्रबंधक उपस्थित रहे। साथ ही एसबाआई आरसेटी साहिबगंज के सभी कर्मियों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान आरसेटी एवं जेएसएलपीएस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को बैंक ऋण से जोड़ने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष जोर दिया गया।कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने क्रेडिट लिंकेज को मजबूत करने एवं ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं तथा स्वयं सहायता समूहों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

सोशल मीडिया पर फूटा शालिनी पांडे का गुस्सा

हाल ही में शालिनी पांडे का एक एआई जनरेटेड वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ। अब अभिनेत्री ने इस मामले पर बात की है। उन्होंने कहा कि यह सब काफी परेशान करने वाला मामला है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस से खास अपील की है। जानिए पूरे मामले पर क्या बोलीं एक्ट्रेस?

शालिनी ने पोस्ट में क्या लिखा

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्ट्रेस ने एक इंस्टा पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखा, 'मैं अपने उस फर्जी एआई डीप फेक वीडियो पर बात करना चाहती हूं जो इस समय ऑनलाइन वायरल हो रहा है। यह वीडियो पूरी तरह से मनगढ़ंत है और इसमें जो है वो मैं नहीं हूं। मैं इस तरह के दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा करती हूं और मेरा मानना है कि टेक्नोलॉजी के ऐसे दुरुपयोग को कभी भी सामान्य नहीं माना जाना चाहिए।'

फैंस के की खास अपील

आगे अपनी पोस्ट में शालिनी पांडे ने फैंस से अपील करते हुए लिखा, 'यदि आपको यह वीडियो कहीं भी दिखाई दे तो कृपया इसे साझा न करें, आगे न भेजें, डाउनलोड न करें या इस पर कोई प्रतिक्रिया न दें। इसके बजाय, कृपया इसकी तुरंत रिपोर्ट करें। मैं सभी से जिम्मेदरी और सावधानी बरतने का अनुरोध करती हूं। आग्रह करती हूं कि इसके प्रसार को रोकने में मदद करें, ना कि इसे और अधिक लोगों तक पहुंचाएं, धन्यवाद।'

दिखावे से ज्यादा असलियत में यकीन रखती हूं

बिग बॉस 18 में नजर आ सकती है ईशा रिखी

अभिनेत्री ईशा रिखी जल्द ही रियलिटी शो 'बिग बॉस-18' में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि वह अपनी असली पर्सनैलिटी को दिखाने के लिए इस सीजन में आना चाहती है। अभिनेत्री ने बताया, 'दर्शक मुझे अभी तक सिर्फ एक अभिनेत्री के तौर पर ही जानती है। मैं चाहती हूं कि लोग जानें कि ईशा रिखी कौन हैं और मेरी पर्सनैलिटी के सभी अलग-अलग शेड्स देखें।' अभिनेत्री ने आगे यह भी बताया कि वे शो में किस तरह से गेम खेलेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं असली रहूंगी क्योंकि मैं दिखावे से ज्यादा असलियत में यकीन रखती हूं। मुझे वो बनना नहीं पसंद है, जो मैं नहीं हूं। मैं शो को ईमानदारी से खेलने की कोशिश करूंगी और उम्मीद है कि इसे ईमानदारी से जीतूंगी भी। अभिनेत्री का मानना है कि शो में जाने के बाद उनका सबसे चैलेंज पब्लिक जजमेंट हो सकता है। अभिनेत्री ने बताया कि वे शो में सिचुएशन को किस तरह से डील करेंगी। उन्होंने कहा, 'जब मुझे लगेगा कि किसी तरह की बात को शांति से डील करना चाहिए, तो मैं उसे वैसे ही करूंगी, लेकिन जब सिचुएशन संभल नहीं रही, तो मैं जरूर सख्ती से पेश आऊंगी। ' ईशा रिखी से सवाल किया, 'हमने बिग बॉस को कंटेस्टेंट्स के पिछले रिश्तों को घर में लाते देखा है, जिसमें उनके एक्स-पार्टनर भी शामिल हैं। आप ऐसी सिचुएशन से कैसे निपटेंगे?' अभिनेत्री ने कहा, 'जो भी होगा, देखा जाएगा। मेरे पास इसके लिए कोई प्लान या तैयारी नहीं है। ' अभिनेत्री ने बताया कि वह इस शो में अपनी मां की वजह से जा रही हैं। उन्होंने कहा, 'मैं आमतौर पर अपने दोस्तों के लिए आखिर तक जाती हूं और उनके लिए स्टैंड लेती हूं, लेकिन मुझे नहीं पता कि शो के अंदर मेरी दोस्ती कितनी स्ट्रांग होगी। मैं अच्छा खेलने जा रही हूं और मैं अपनी मां के लिए शो जीतना चाहती हूं। तो, जाहिर है, मैं ट्रॉफी को प्रायोरिटी देने की पूरी कोशिश करूंगी। '

'हैवान' के बाद शिकारी बनेंगे अक्षय कुमार

मशहूर डायरेक्टर प्रियदर्शन और अक्षय कुमार एक नई फिल्म पर साथ काम करने जा रहे हैं. खास बात ये है कि इस नई फिल्म की शूटिंग 'जंगल' में होगी. इंडियन सिनेमा के दिग्गज डायरेक्टर प्रियदर्शन और सुपरस्टार अक्षय कुमार बॉलीवुड की उन जोड़ियों में से हैं, जो जब भी साथ आते हैं, कोई नहीं फिल्म लाते हैं, तो उस फिल्म से लोगों की उम्मीदें बढ़ जाती हैं. इन दिनों दोनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'हैवान' को लेकर चर्चा में हैं, जो 11 सितंबर को रिलीज होने वाली है. इस फिल्म की रिलीज से पहले ही अक्षय और प्रियदर्शन को लेकर ऐसी खबर है कि दोनों ने एक और फिल्म के लिए कोलैबोरेट कर लिया है. अभी फिल्म का टाइटल तो सामने नहीं आया, लेकिन जानकारी के अनुसार ये फिल्म वन्यजीव संरक्षण के मुद्दे पर होने वाली है. बताया जा रहा है कि इसमें अक्षय का किरदार शिकारी और वन्यजीव संरक्षक जिम कॉर्बेट से प्रेरित होगा. ये फिल्म 1960 के दशक पर सेट होगी. प्रियदर्शन ने कॉमेडी का तड़का लगाने की भी तैयारी की है.

कैसा होगा अक्षय कुमार का किरदार?

मिड डे की एक रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से कहा गया कि अक्षय कुमार का किरदार एक ऐसे शिकारी और ट्रैकर का है, जिसे जंगल से जुड़ी हर चीज की बहुत समझ होती है. शुरुआत में वो बाघों और तेंदुओं का शिकार करता है, क्योंकि इन जानवरों ने उसके गांव में दहशत फैला रखी थी. बाद में उसका नजरिया बदलता है और फिर वो वन्य जीव और जंगल के संरक्षण के लिए काम करने लगता है.

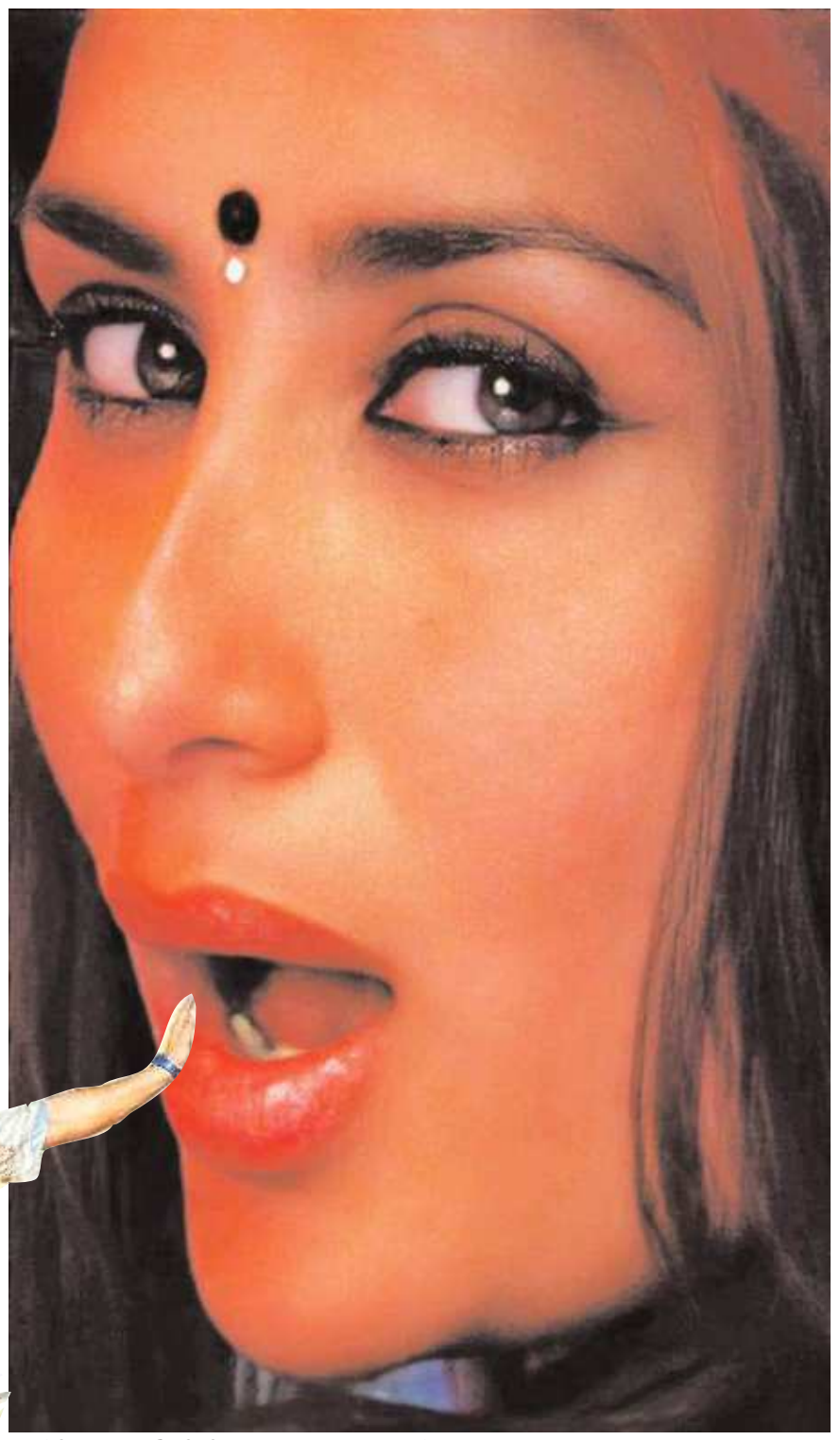

'रोना चाहते हैं तो रो लेना चाहिए... फिल्म 'दायरा' के ट्रेलर लॉन्च पर

करीना ने पुरुषों को दी सलाह

अक्सर पुरुषों से भावनात्मक रूप से मजबूत रहने की उम्मीद की जाती है। मगर, करीना कपूर का कहना है कि अगर जरूरत महसूस हो तो पुरुषों और लड़कों को भी रो लेना चाहिए। वे अपने दोनों बेटों को भी यही सलाह देती हैं। करीना कपूर की आगामी फिल्म 'दायरा' है। इसमें वे पुलिस ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगी। आज इसका ट्रेलर जारी हुआ है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में करीना कपूर ने पुरुषों को एक सलाह दी है। उनका कहना है कि पुरुषों और लड़कों को अपनी भावनाओं को जाहिर करना आना चाहिए।

जेह-तैमूर से क्या कहती हैं करीना?

एएनआई के मुताबिक, अभिनेत्री ने यह भी बताया कि वे अपने बेटों तैमूर और जेह को भी अपने इमोशंस को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। उनका कहना है कि जब भी उन्हें जरूरत महसूस हो, तो उनके लिए रोना पूरी तरह से ठीक है। करीना ने कहा, 'आखिरकार, मैं दो बेटों की मां हूं और जाहिर है कि मैं डरी हुई भी रहती हूं, क्योंकि एक मां के तौर पर आप अपना बेस्ट करना चाहती हैं। आप उन्हें सुरक्षित रखना चाहती हैं और उन्हें यह भी दिखाना चाहती हैं कि वे जिम्मेदार बनें। इसलिए मैं बस उनके लिए दयालु बनने की दुआ करती रहती हूं। पुरुषों को ज्यादा दयालु होना चाहिए'।

बोलीं- 'पुरुष भी इमोशंस को लेकर सहज रहें'

करीना कपूर खान का मानना है कि पुरुषों को अपनी भावनाओं के बारे में खुलकर बात करनी चाहिए और अपने संवेदनशील पक्ष को लेकर सहज रहना चाहिए। उनका कहना है कि संवेदनशील होना सिर्फ महिलाओं तक ही सीमित नहीं है। फिल्म 'दायरा' के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर करीना ने कहा कि भले ही अक्सर महिलाओं को ज्यादा संवेदनशील माना जाता है, लेकिन पुरुषों और लड़कों को भी अपनी भावनाएं जाहिर करने और जिंदगी की चुनौतियों का खुलकर सामना करने में सहज महसूस करना चाहिए।

अन्नू कपूर का विवादित बयानः

रणबीर और रणवीर को नहीं जानता

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अन्नू कपूर अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के कुछ नए दौर के एक्टर्स को लेकर ऐसी बात कही, जिसने लोगों का ध्यान खींच लिया है। हाल ही में एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है, जिसमें अन्नू कपूर ने कहा कि वह रणबीर कपूर, रणवीर सिंह और सिद्धार्थ मल्होत्रा को न तो व्यक्तिगत रूप से जानते हैं और न ही उनके काम को ज्यादा फॉलो करते हैं।

यूजर्स ने दिया ऐसा रिएक्शन

अन्नू कपूर के इस बयान पर यूजर्स ने कड़े रिएक्शन दिए हैं।

एक यूजर ने लिखा- 'मुझे भी तेरा नाम नहीं पता।'

वहीं एक यूजर ने लिखा- 'आप कौन हो पहले ये बताओ?'

एक अन्यू यूजर ने लिखा- 'ईगो झलक रहा है, इस उम्र में भी हंबल नहीं हैं।'

ना शक्ल से जानता हूं, ना पर्सनली

बातचीत के दौरान अन्नू कपूर से रणबीर कपूर, रणवीर सिंह और सिद्धार्थ मल्होत्रा के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने साफ कहा कि वह इन एक्टर्स को व्यक्तिगत रूप से नहीं जानते। अन्नू कपूर ने कहा, 'ना शक्ल से जानता हूं, ना पर्सनली जानता हूं। अगर वो मेरे सामने आ जाएं तो मुझे पता भी नहीं है...' उन्होंने आगे कहा कि वह इन एक्टर्स के काम को भी ज्यादा नहीं देखते। रणबीर कपूर के बारे में उन्होंने कहा कि उन्हें वह इसलिए जानते हैं क्योंकि वह दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर के बेटे हैं। अन्नू कपूर ने कहा, 'रणबीर तो ऋषि कपूर का लड़का है ना, इसीलिए मैं जानता हूं। बाकी मैंने कभी उनका काम नहीं देखा है। कैसे बोलते हैं, कैसे खड़े होते हैं, मुझे क्या पता कि क्या बात करते हैं।'

जूनियर एशिया कपः अनमोल एक्का के छह गोल से भारत ने चीनी ताइपे को 15-0 से रौंदा, सेमीफाइनल में पहुंचा

मोकी (चीन) । गत चैंपियन भारत ने एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार को पूल-ए के अपने आखिरी मुकाबले में चीनी ताइपे को 15-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कप्तान अनमोल एक्का ने छह गोल दागकर भारत की धमाकेदार जीत में अहम भूमिका निभाई। भारत ने शुरूआती क्वार्टर में गोलरहित रहने के बाद अगले तीन क्वार्टर में पूरी तरह दबदबा बनाया। अनमोल के सभी छह गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम ने तीन जीत और एक ड्रॉ से 10 अंक हासिल कर पूल-ए में शीर्ष स्थान हासिल किया।

दक्षिण कोरिया ने जापान को 3-2 से हराकर नौ अंकों के साथ पूल में दूसरा स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। जापान, इंडोनेशिया और चीनी ताइपे की टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो गईं और अब वर्गीकरण मुकाबले खेलेंगी।

चीनी ताइपे ने पहले क्वार्टर में भारतीय हमलों को रोककर सभी को चौंका दिया। भारत ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और कई मौके बनाए, लेकिन मजबूत ताइपे रक्षापंक्ति को भेद नहीं सका। दो मिनट के

क्वार्टर ब्रेक के दौरान मुख्य कोच फ्रेडरिक सोएज ने खिलाड़ियों को अधिक आक्रामकता के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया, जिसका असर अगले ही क्वार्टर में दिखाई दिया। आर्यन एक्सेस ने 17वें मिनट में भारत का खाता खोला, जबकि एक मिनट बाद प्रभदीप सिंह ने बढ़त दोगुनी कर दी। गुरसेवक सिंह ने 22वें मिनट में तीसरा गोल किया। इसके बाद अनमोल एक्का ने 25वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपना पहला गोल किया। अर्जुन संतोष हरगुड़े ने 28वें मिनट में पांचवां गोल किया और अगले ही मिनट अनमोल ने फिर पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर दिया।

भारत ने मध्यांतर तक 6-0 की बढ़त बना ली थी। तीसरे क्वार्टर में भी भारत ने लगातार आक्रमण जारी रखा। अनमोल ने शुरूआती तीन मिनट में मिले दोनों पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी हैट्रिक पूरी की और फिर एक और गोल कर व्यक्तिगत संख्या चार पहुंचा दी।

अजीत यादव ने 35वें मिनट में शानदार मैदानी गोल कर भारत की बढ़त बढ़ाई। इसके बाद अनमोल ने 45वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपना पांचवां गोल किया और भारत को 10-0 की बढ़त दिला दी।

अंतिम क्वार्टर में भी भारत ने आक्रामक रवैया बनाए रखा। हरपाल ने 48वें मिनट में मैदानी गोल किया, जबकि अनमोल ने 51वें मिनट में अपना छठा पेनल्टी कॉर्नर गोल कर व्यक्तिगत छह गोल पूरे किए। हरपाल ने इसके बाद अपना दूसरा गोल किया। आर्यन एक्सेस ने भी दो गोल दागे और भारत ने 15-0 की शानदार जीत दर्ज की।

अनमोल के छह गोल भारत के लिए मैच का सबसे बड़ा आकर्षण रहे, लेकिन यह जीत पूरी टीम के शानदार प्रदर्शन का नतीजा रही। भारतीय टीम ने पेनल्टी कॉर्नर का बेहतरीन इस्तेमाल करने के साथ लगातार आक्रामक दबाव बनाए रखा और पूल चरण का अंत शानदार अंदाज में किया।

महिला एशिया कपः गुल फिरोजा पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुमार्ना, एक डिमेरिट अंक भी जुड़ा

दुबई । पाकिस्तान की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज गुल फिरोजा पर हांगकांग के खिलाफ महिला टी20 एशिया कप मुकाबले के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है। उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। यह घटना पाकिस्तान की पारी के पांचवें ओवर में हुई। बाएं हाथ की कलाई की स्पिन गेंदबाज कैरी चान की उछाल लेती गेंद पर फिरोजा ने स्वीप शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले से नहीं लगी और स्टंप के सामने उनके पैड से जा टकराई। मैदानी अंपायर ने उन्हें पगबाधा आउट दे दिया। टूर्नामेंट में निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) का इस्तेमाल नहीं हो रहा है, इसलिए फिरोजा को मैदान छोड़ना पड़ा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अनुसार, मैदान से बाहर जाते समय उन्होंने अपने बल्ले की ओर इशारा करते हुए यह जताया कि गेंद बल्ले का किनारा लेकर गई थी। इसे मैदानी अंपायर के फैसले पर असहमति जताना माना गया, जो आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन है।

आग से बचाव के मानकों का उल्लंघन

कोलकाता के 919 होटल और गेस्ट हाउस को अस्थायी तौर पर बंद करने का नोटिस

कोलकाता । कोलकाता में अनिवार्य अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने वाले 919 होटल और गेस्ट हाउस को अस्थायी रूप से बंद करने के नोटिस जारी किए गए हैं। जानकारी के अनुसार राज्य अग्निशमन विभाग, कोलकाता नगर निगम और कोलकाता पुलिस की संयुक्त टीमों ने अब तक करीब 960 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया है। इनमें केवल 41 ही निर्धारित अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुरूप पाए गए।

अधिकारियों के अनुसार, 19 अगस्त की तड़के मध्य कोलकाता के मिर्जा गालिब स्ट्रीट स्थित शिखा इन गेस्ट हाउस में लगी भीषण आग के बाद निरीक्षण अभियान तेज किया गया। इस घटना में सात बांग्लादेशी नागरिकों समेत नौ लोगों की मौत हुई थी।

नोटिस पाने वाले होटल और गेस्ट हाउस संचालकों को निर्धारित मानकों के अनुरूप अग्नि सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करनी होगी। इसके बाद उन्हें अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र के नवीनीकरण के लिए आवेदन करना होगा। प्रमाणपत्र मिलने के बाद ही वे दोबारा लाइसेंस के लिए आवेदन कर सकेंगे और संचालन शुरू करने की अनुमति मिल सकेगी।

अधिकारियों ने बताया कि कोलकाता में करीब 3,700 होटल और गेस्ट हाउस संचालित हो रहे हैं। संयुक्त टीम अब तक इनमें से करीब एक चौथाई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर चुकी है। बाकी प्रतिष्ठानों में भी जांच जारी रहेगी। इसी बीच, पिछले सप्ताह राज्य अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग ने कैमक

स्ट्रीट स्थित एक व्यावसायिक इमारत के तहखाने और छठी तथा सातवीं मंजिल को तत्काल खाली कराने का आदेश दिया था। इसी इमारत में तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी का कार्यालय भी है।

विभाग ने 31 अगस्त को निरीक्षण के बाद दोनों ऊपरी मंजिलों को आग और जीवन सुरक्षा के लिहाज से असुरक्षित घोषित किया था। तृणमूल कांग्रेस ने इस आदेश को कलकत्ता उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। अदालत ने पार्टी को तत्काल सुनवाई के लिए याचिका दाखिल करने की अनुमति दी है। मामले पर इस सप्ताह के अंत में सुनवाई होने की संभावना है।

प्रिंस रहीम आगा खान पंचम आज से 15 सितंबर तक भारत दौरे पर

नई दिल्ली । निजारी इस्माइली समुदाय के आध्यात्मिक नेता प्रिंस रहीम आगा खान पंचम 9 से 15 सितंबर तक भारत की यात्रा पर रहेंगे। उनकी यह यात्रा उपराष्ट्रपति के निमंत्रण पर हो रही है। 10 सितंबर को वह उपराष्ट्रपति के साथ वार्ता करेंगे। उल्लेखनीय है कि यह प्रिंस रहीम आगा खान पंचम की 50वें इमाम के रूप में पदभार संभालने के बाद भारत की पहली यात्रा है। वे निजारी इस्माइली समुदाय के आध्यात्मिक इमाम हैं। उनकी राष्ट्रीयता पुर्तगाली है और उनका परिवार लंबे समय से यूरोप में, विशेषकर पुर्तगाल से जुड़ा रहा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार दिल्ली प्रवास के दौरान आगा खान राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा वह गृहमंत्री और विदेशमंत्री से भी मुलाकात करेंगे। भारत यात्रा के दौरान वह अहमदाबाद, मुंबई और हैदराबाद भी जाएंगे। इन शहरों में आगा खान विकास नेटवर्क विभिन्न विकास और सामुदायिक पहलों से जुड़ा हुआ है।

आग में 12 दुकान जलकर राख

मोरीगांव (असम)। मोरीगांव जिले के मायंग पुलिस थाना अंतर्गत बुधवरिया बाजार में आग लगने की वजह से देखते ही देखते 12 दुकानें जलकर राख हो गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि बीती रात मायंग के बुधवरिया बाजार में आग लगने की जानकारी मिलते ही मौके पर अग्निशमन की टीम पहुंची अग्निशमन की टीम ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाए जाने तक बाजार की 12 दुकानें जलकर राख हो चुकी थी। आग की वजह से लगभग एक करोड़ की संपत्ति का नुकसान हुआ है। हालांकि, आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

नोएडा में अवैध रूप से पटाखा का भंडारण करने वाला गिरफ्तार

नोएडा । थाना बिसरख पुलिस ने अवैध रूप से पटाखा का भंडारण करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उनके पास से दर्जनों पेटियों में भरे हुए लाखों रुपये कीमत का विस्फोटक बरामद किया है। पुलिस ने विभिन्न जगहों से चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है।थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि उप निरीक्षक विपिन कुमार ने आज सुबह एक सूचना के आधार पर नितिन गर्ग पुत्र मुकेश कुमार गर्ग को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने पेटियों के अंदर भरे हुए अवैध पटाखे बरामद किया है। बरामद पटाखे की कीमत लाखों रुपये है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपित आगामी त्योहारों के मद्देनजर पटाखों का अवैध भंडारण करने के लिए पटाखे लेकर आया था। थाना प्रभारी ने बताया कि एक अन्य मामले में उप निरीक्षक सुशील कुमार ने दीपू कुमार पुत्र संजय सिंह को गिरफ्तार किया है। इसके पास से पुलिस ने 24 पाउच देशी शराब बरामद किया है। उन्होंने बताया कि एक अन्य मामले में उप निरीक्षक निशांत मलिक ने बादल यादव पुत्र सुंदर यादव को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने एक अवैध चाकू बरामद किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि एक अन्य मामले में थाना पुलिस ने राम लखन पुत्र राम प्रकाश को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इसके पास से 65 पाउच देशी शराब बरामद किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि एक अन्य मामले में थाना पुलिस ने पवन कुमार को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने 70 पव्वा देशी शराब बरामद किया है। उन्होंने बताया कि उपनिरीक्षक निशांत मलिक ने सागर पुत्र विनोद को गिरफ्तार किया है। इसके पास से पुलिस ने एक देशी तमंचा और कारतूस बरामद किया है।

एनएच-80 पर आफत की बाढ़

भागलपुर-पटना मार्ग पर आवागमन ठप

भागलपुर । गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर ने एक बार फिर जिले में विकराल रूप ले लिया है। भागलपुर के अकबरनगर और भवनाथपुर के बीच से गुजरने वाली मुख्य सड़क एन एच-80 पर बाढ़ का पानी करीब 2 से 3 फीट तक बह रहा है। भागलपुर को राजधानी पटना और सुल्तानगंज से जोड़ने वाले इस बेहद महत्वपूर्ण मार्ग पर पानी का बहाव इतना तेज है कि राहगीरों और वाहन चालकों की जान पर बन आई है। खतरे को देखते हुए प्रशासन ने दोगच्छी से अकबरनगर तक आवागमन को प्रतिबंधित कर दिया है और फोरलेन वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने की सलाह दी है। सड़क पर पानी का स्तर लगातार बढ़ने के कारण दोपहिया और छोटे वाहन बीच रास्ते में ही बंद हो जा रहे हैं। पानी के तेज करंट के बीच गाड़ियों के बंद होने से दुर्घटनाओं का खतरा काफी बढ़ गया है और मार्ग पर भारी जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई है। जरूरी कार्यों के लिए निकलने वाले स्थानीय लोग जान जोखिम में डालकर इसी जलमग्न सड़क से पैदल और नावों के सहारे आवागमन करने को मजबूर हैं। इस भयावह बाढ़ और संकट के बीच एन एच-80 पर एक बेहद हैरान करने वाला और अनोखा नजारा भी देखने को मिला। जहां एक तरफ लोग परेशान थे, वहीं दूसरी तरफ स्थानीय बच्चों ने डूबी हुई सड़क को ही खेल का मैदान बना दिया। बच्चे जलमग्न हाईवे पर कमर तक पानी में खड़े होकर उत्साह के साथ वॉलीबॉल खेलते नजर आए। यह तस्वीरें साफ बयां कर रही हैं कि बाढ़ ने जहां आम जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है, वहीं लोगों ने इस आपदा के बीच भी जीने का एक अलग रास्ता ढूंढ लिया है। बाढ़ के कारण भागलपुर-पटना का सड़क संपर्क पूरी तरह प्रभावित होने की कगार पर है।

नाथनगर में बाढ़ का तांडव, स्कूल डूबे, गांवों का संपर्क टूटा, घुटने भर पानी में जाने को मजबूर नौनिहाल

भागलपुर । जिले के नाथनगर प्रखंड में बाढ़ का संकट दिन-ब-दिन गहराता जा रहा है। गंगा और सहायक नदियों के लगातार बढ़ रहे जलस्तर के कारण प्रखंड की कई पंचायतें टापू में तब्दील हो गई हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि बेलखुरिया पंचायत स्थित मध्य विद्यालय और भुवालपुर पंचायत का पुरानी सराय गाँव पूरी तरह बाढ़ के पानी से घिर गए हैं। पूरे इलाके में जलजमाव के कारण आम जनजीवन बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है और ग्रामीणों को कठिन परिस्थितियों में रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। बेलखुरिया पंचायत का मध्य विद्यालय बेलखुरिया इस समय चारों तरफ से पानी से घिर चुका है। स्कूल परिसर में घुटने तक पानी जमा है। हैरान करने वाली बात यह है कि इस जानलेवा खतरे के बावजूद छात्र-छात्राएं कंधे पर स्कूल बैग टांगे, इसी गंदे और गहरे पानी से होकर कक्षा तक जाने को मजबूर हैं। स्कूल भवन और आसपास का इलाका बुरी तरह प्रभावित होने से बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों

और स्थानीय लोगों की चिंताएं बढ़ गई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पानी लगातार बढ़ रहा है, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। उधर, भुवालपुर पंचायत के पुरानी सराय गाँव की स्थिति भी बदतर हो गई है। पूरा गाँव बाढ़ के पानी के घेरे में है। गाँव की अंदरूनी गलियों से लेकर मुख्य सड़कों पर कई फीट पानी बह रहा है, जिसके कारण वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई है। जलजमाव का असर लोगों के चूल्हे-चौके पर भी पड़ने लगा है। राशन, दवा और दूध जैसे जरूरी सामान लाने के लिए ग्रामीणों को पानी के बीच से ही पैदल गुजरना पड़ रहा है। गाँव में फंसे बुजुर्गों, महिलाओं और बीमार लोगों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। बाढ़ की इस विभीषिका के बीच स्थानीय लोगों में प्रशासन के प्रति गहरा आक्रोश है। प्रभावित ग्रामीणों का कहना है कि पानी का जलस्तर हर घंटे बढ़ रहा है, लेकिन अब तक प्रशासनिक अधिकारियों ने इलाके का जायजा नहीं लिया है। लोगों ने माँग की है कि बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए तत्काल प्रभाव से प्रभावित स्कूलों में पढ़ाई की वैकल्पिक व्यवस्था की जाए अथवा अवकाश घोषित किया जाए।

साथ ही, पुरानी सराय सहित अन्य जलमग्न गाँवों में सुरक्षित आवागमन के लिए सरकारी नावों की व्यवस्था की जाए और राहत शिविर चलाए जाएं। अब देखना यह है कि सो रहा जिला प्रशासन प्रभावित लोगों को राहत पहुँचाने के लिए कब जागता है।

छत्तीसगढ़ में स्वाइन फ्लू के 113 सक्रिय मामले, रायपुर में सबसे अधिक 19 मरीज

रायपुर । छत्तीसगढ़ में सितंबर 2026 के नवीनतम स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार स्वाइन फ्लू (एच1 एन 1) का संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 1 जनवरी 2026 से 8 सितंबर 2026 तक स्वाइन फ्लू के कुल 298 मरीज सामने आ चुके हैं। वर्तमान में 113 सक्रिय मामले हैं, जिनमें से 81 मरीज अस्पताल में भर्ती हैं और 32 का इलाज होम आइसोलेशन में चल रहा है।बीती देर शाम जारी रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में स्वाइन फ्लू के 46 नए मरीज मिले हैं। इनमें रायपुर में सबसे अधिक 19 मरीज मिले हैं। इसके साथ ही जनवरी 2026 से अब तक प्रदेश में स्वाइन फ्लू के कुल 298 मरीज सामने आ चुके हैं।वर्तमान में 113 एक्टिव मामले हैं, जिनमें से 81 मरीज अस्पताल में भर्ती हैं और 32 का इलाज होम आइसोलेशन में चल रहा है।स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक बीती देर शाम रायपुर में 19 नए मरीज मिले हैं। इसके साथ ही रायपुर जिले में जनवरी से अब तक स्वाइन फ्लू के कुल 127 मामले दर्ज हो चुके हैं, जो प्रदेश में सबसे अधिक हैं। बिलासपुर में 3, बलौदाबाजार में 2, बस्तर में 2, दुर्ग में 4, जांजगीर-चांपा में 1, कोंडागांव में 1, कोरबा में 3, महासमुंद में 2, मुंगेली में 1, रायपुर में 19, राजनांदगांव में 2 और सरगुजा में 1 नया मरीज मिला है। इसके अलावा अन्य राज्यों से 5 पॉजिटिव मामले सामने आए हैं।अब तक स्वाइन फ्लू से किसी भी मरीज की मौत दर्ज नहीं की गई है।दुर्ग जिले के महामारी नियंत्रण अधिकारी डॉ. सी.बी.एस. बंजारे ने हिदायत दी है कि ₹छोटे बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं में एच1एन 1 संक्रमण का खतरा अधिक होता है, इसलिए इन लोगों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। सभी अस्पतालों को निर्देश दिए गए हैं कि जैसे ही कोई पॉजिटिव मरीज मिले, तुरंत स्वास्थ्य विभाग को सूचित करें और मरीज को आइसोलेट कर इलाज शुरू करें। लोग भीड़भाड़ वाले स्थानों पर मास्क पहनें और स्वच्छता का ध्यान रखें।

अमेरिका का कनाडा के डेयरी प्रोडक्ट और शराब पर प्रतिबंध, कनाडा के जवाबी टैरिफ के बाद फैसला, 29 सितंबर से होगा लागू

वाशिंगटन,। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा से आने वाले डेयरी प्रोडक्ट, शराब और मोटरसाइकिलों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। यह प्रतिबंध 29 सितंबर से लागू होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह फैसला अमेरिकी सामान पर 50 फीसद तक जवाबी टैरिफ लगाने के बाद लिया है। इस आदेश के तहत कनाडा से आने वाली शराब, वाइन और अल्कोहल-फ्री बीयर पर रोक लगेगी। इसके अलावा दूध से बने कुछ उत्पाद भी अमेरिका नहीं आ सकेंगे। एक्सिओस की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि प्रतिबंध को सीमित रखा गया है, ताकि अमेरिकी नागरिकों के लिए सामान की कीमतें अचानक न बढ़ें। राष्ट्रपति ट्रंप का यह कदम उन देशों के बीच आर्थिक दरार को और गहरा करने वाला है, जिन्होंने दशकों से व्यापार को आपस में जोड़ा है, जिससे सीमा के दोनों ओर व्यवसायों और उपभोक्ताओं के लिए व्यवधान का खतरा पैदा हो गया है।

कलकत्ता हाई कोर्ट के 45वें मुख्य न्यायाधीश बने रवींद्र विठ्ठलराव घुगे, राज्यपाल ने दिलाई शपथ

कोलकाता। न्यायमूर्ति रवींद्र विठ्ठलराव घुगे ने बुधवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय (हाई कोर्ट) के 45वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। हाई कोर्ट के एक नंबर कक्ष में सुबह करीब 10 बजे आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर. एन. रवि ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, विधानसभा अध्यक्ष रथिंद्र बोस समेत राज्य सरकार और न्यायपालिका से जुड़े कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। देश के विभिन्न उच्च न्यायालयों के वर्तमान और पूर्व न्यायाधीशों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

असम में 23 करोड़ रुपये की याबा टैबलेट जब्त

गुवाहाटी । असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने बुधवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि कछार पुलिस ने लखीपुर के शिवपुर में एक ट्रक के गुप्त चैंबर से 2.3 लाख याबा टैबलेट जब्त की हैं। इनकी अनुमानित कीमत करीब 23 करोड़ रुपये बताई गई है। इस मामले में एक तस्कर को पकड़ा गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि नशीली दवाओं की तस्करी के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कार्रवाई के लिए असम पुलिस की सराहना करते हुए कहा, ह्लइसे चैंबर ऑफ सीक्रेट्स कहा गया, लेकिन वे भूल गए कि हमें गुप्त ठिकाने का पता लगाने आता है। पुलिस ने एक ट्रक (एएस-26एसी- 1763) के गुप्त जगह से 2,30,000 याबा टैबलेट (25 किलोग्राम मेथामफेटामाइन) बरामद किया । इस मामले में एक व्यक्ति को पकड़ा गया है। जिसकी पहचान साहिर हुसैन चौधरी के रूप में की गई है।मुख्यमंत्री ने नशे के खिलाफ राज्य पुलिस की कार्रवाई की सराहना की।

बलोचिस्तान में पाकिस्तान के सैन्य वाहनों पर फायरिंग, हमले में बड़ी संख्या में सैनिकों के मारे जाने का दावा

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के बलोचिस्तान के खारान और पंजगुर जिलों में पाकिस्तान की सेना के वाहनों को निशाना बनाया गया है। हथियारबंद लोगों के इस हमले में बड़ा विस्मयकारी दावा किया गया है। इस दावे के अनुसार, हमले में 1,000 सैन्यकर्मी मारे गए या घायल हुए। इस दावे पर पाकिस्तान सरकार या संघीय सेना ने अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है। अभी तक किसी संगठन ने भी इस तरह के हमले की जिम्मेदारी ली है। द बलोचिस्तान पोस्ट की 08 सितंबर की शाम जारी रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय सूत्रों ने बताया कि हथियारबंद लोगों ने शाम को खारान शहर के पास पाकिस्तान की सेना की गाड़ियों को निशाना बनाया। सूत्रों का कहना है कि हमले के दौरान सेना की कम से कम तीन गाड़ियों पर सीधी फायरिंग हुई। शुरूआती रिपोर्टों के अनुसार, हमले में लगभग 1,000 सैन्यकर्मी मारे गए या घायल हुए। अधिकारियों की ओर से घटना, हताहतों या हमले के बारे में तुरंत कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। इस बीच, पंजगुर जिले के प्रोम इलाके में बंदूकधारियों ने पाकिस्तान की सेना के लिए राशन ले जा रही एक गाड़ी में आग लगा दी। सूत्रों के अनुसार, इस दौरान हथियारबंद लोगों ने एक और गाड़ी पर भी कब्जा कर लिया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, हथियारबंद लोगों ने पंजगुर के चिडगी इलाके में एक रिहायशी इलाके में आग लगाने की घटना में पाकिस्तान की सेना द्वारा लगाए गए सर्विलांस कैमरों को नष्ट कर दिया। इन हमलों की जिम्मेदारी अभी तक किसी ने नहीं ली है। हालांकि बलोच आजादी समर्थक संगठन ऐसी घटनाओं की जिम्मेदारी लेते रहे हैं। द बलोचिस्तान पोस्ट की एक पुरानी रिपोर्ट के अनुसार, बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के मीडिया विंग के पूर्व में जारी आंकड़ों के मुताबिक, बीएलए ने पाकिस्तान के सुरक्षा बलों, सैन्य ठिकानों और वाहनों को निशाना बनाते हुए 500 से अधिक हमले किए। इनमें 1,000 से अधिक सैनिकों के मारे जाने या गंभीर रूप से घायल हुए। वर्ष 2026 में मस्तुंग, क्वेटा, कलात, और बोलन में व्यापक टकराव देखा गया है। बीएलए के फतह स्क्वायड और अन्य विशेष शाखाओं ने संघीय सरकार के सैन्य काफिलों को निशाना बनाकर कई घातक हमले किए हैं। इन हमलों में जियारत क्रॉस और सूराब क्षेत्रों में कई पाकिस्तानी जवानों के मारे जाने का दावा किया गया।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान लगातार दबाव बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरूआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली के जबरदस्त दबाव की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी और बढ़ गई। सेंसेक्स 75,000 अंक के स्तर से भी नीचे लुढ़क गया। वहीं निफ्टी भी 23,400 अंक के स्तर से नीचे फिसल गया। हालांकि खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर दोनों सूचकांकों को सहारा देने की कोशिश भी की, लेकिन बाजार में बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि इन दोनों सूचकांकों की चाल पर ज्यादा असर नहीं पड़ सका। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.79 प्रतिशत और निफ्टी 0.63 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 361.36 अंक यानी 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75,216.22 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण पहले मिनट में ही यह सूचकांक 600 अंक से अधिक की कमजोरी के साथ 74,968.99 अंक के स्तर पर आ गया। इसके तुरंत बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स की चाल में सुधार होने लगा। खरीदारी के सपोर्ट से पहले आधे घंटे के कारोबार में यह सूचकांक उछल कर 75,220.88 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा।

इस स्तर पर पहुंचने के बाद बाजार में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की कमजोरी दोबारा बढ़ती चली गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 600.38 अंक यानी 0.79 प्रतिशत टूट कर 74,977.20 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 113.05 अंक यानी 0.48 प्रतिशत फिसल कर 23,522.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही जबरदस्त बिकवाली के दबाव में यह सूचकांक 150 अंक से अधिक लुढ़क कर 23,468.45 अंक के स्तर पर आ गया। इस जबरदस्त गिरावट के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा।

खरीदारी के सपोर्ट से पहले आधे घंटे के कारोबार में निफ्टी उछल कर 23,536.50 अंक के स्तर तक पहुंचा। इसके बाद बाजार में एक बार फिर बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की कमजोरी बढ़ती चली गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 149.30 अंक यानी 0.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,485.80 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,878 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,237 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,641 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 20 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 13 शेयर हरे निशान में और 37 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

शुरूआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से मैक्स हेल्थकेयर, अदानी एंटरप्राइजेज, कोल इंडिया, लार्सन एंड टूब्रो और एनटीपीसी के शेयर 4.23 प्रतिशत से लेकर 1.30 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, इंफोसिस, एचडीएफसी लाइफ, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजी और टीसीएस के शेयर 3.60 प्रतिशत से लेकर 2.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 555.23 अंक यानी 0.73 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 75,577.58 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 144.05 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,635.10 अंक के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

इंटरसिटी एक्सप्रेस की चपेट में ओने से युवक की मौत

मेदिनीनगर : मोहम्मदगंज रेलवे स्टेशन पर मंगलवार देर शाम दर्दनाक हादसे में इंटरसिटी एक्सप्रेस की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। घटना प्लेटफॉर्म संख्या-4 के समीप हुई। मृतक की पहचान गढ़वा जिले के कांडी प्रखंड निवासी विदेश्वर मेहता के पुत्र अमित कुमार के रूप में हुई है। बताया गया कि युवक रेल पटरी पर लेटा हुआ था, तभी ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे के बाद स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर उसका बैग भी बरामद हुआ। प्रथम दृष्टया घटना आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही होगी। सूचना पर जीआरपी और आरपीएफ ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

14वीं जेपीएससी फर्जीवाड़ा : उप परीक्षा नियंत्रक श्वेता गुप्ता की जमानत अर्जी पर अब 11 सितंबर को सुनवाई

रांचीः बहुचर्चित 14वीं जेपीएससी फर्जीवाड़ा मामले में जेल में बंद उप परीक्षा नियंत्रक श्वेता गुप्ता की मुश्किलें फिलहाल कम होती नहीं दिख रही हैं। बुधवार को अपर न्याययुक्त योगेश कुमार की अदालत में उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई होनी थी, लेकिन बचाव पक्ष की ओर से बहस के लिए अदालत से अतिरिक्त समय की मांग की गई। अदालत ने बचाव पक्ष की मांग को मंजूर करते हुए सुनवाई के लिए अगली तारीख 11 सितंबर निर्धारित कर दी है। श्वेता गुप्ता की जमानत याचिका पर अब 11 सितंबर को दोनों पक्षों की दलीलें सुनी जाएंगी। इसके बाद अदालत उनकी जमानत पर फैसला ले सकती है। मामले में श्वेता गुप्ता फिलहाल न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं।

14वीं जेपीएससी फजीर्वाड़े के खुलासे के बाद सीआईडी ने जांच तेज करते हुए 22 जुलाई को श्वेता गुप्ता को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। तब से वह जेल में हैं। गिरफ्तारी के कुछ दिनों बाद, 3 अगस्त को उनकी ओर से नियमित जमानत के लिए अदालत में याचिका दाखिल की गई थी। इस मामले में सीआईडी की जांच लगातार आगे बढ़ रही है। जांच एजेंसी फजीर्वाड़े से जुड़े आरोपों की पड़ताल के साथ-साथ इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है। मामले में कई आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है और सभी से पूछताछ तथा उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। अब सबकी नजर 11 सितंबर को होने वाली सुनवाई पर है। श्वेता गुप्ता को जमानत मिलती है या उनकी न्यायिक हिरासत आगे बढ़ती है, यह अदालत की दलीलों और आदेश के बाद स्पष्ट होगा।

माध्यमिक आचार्य भर्ती मामले में नेहा कुमारी को हाईकोर्ट से राहत

रांचीः माध्यमिक आचार्य भर्ती परीक्षा से जुड़े एक मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता नेहा कुमारी को राहत देते हुए विशेष शिक्षा विषय में माध्यमिक आचार्य का एक पद सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। मामले की सुनवाई बुधवार को हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत में हुई। नेहा कुमारी की ओर से अधिवक्ता चंचल जैन ने अदालत के समक्ष पक्ष रखा। याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में माध्यमिक आचार्य भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र-1 में दिए गए अंकों को लेकर आपत्ति दर्ज कराई है। याचिकाकर्ता का कहना है कि प्रश्नपत्र-1 में न्यूनतम उत्तीर्णांक 66 निर्धारित किया गया है। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की ओर से जारी आधिकारिक उत्तर कुंजी में एक प्रश्न के उत्तर को सही माना गया है। याचिकाकर्ता के अनुसार उन्होंने भी उस प्रश्न का वही उत्तर दिया था, जिसे आयोग ने सही माना है। इसके बावजूद उन्हें उस प्रश्न के लिए निर्धारित एक अंक नहीं दिया गया।

एक अंक मिलने पर पूरा हो जाता उत्तीर्णांक

याचिकाकर्ता की ओर से अदालत में दलील दी गई कि यदि उक्त एक अंक उन्हें प्रदान किया जाता, तो वह प्रश्नपत्र-1 में निर्धारित न्यूनतम 66 अंक प्राप्त कर लेतीं। एक अंक कम होने के कारण उन्हें उत्तीर्ण मानदंड में असफल घोषित कर दिया गया। इसके चलते उनके प्रश्नपत्र-2 का मूल्यांकन नहीं किया गया और वह भर्ती की आगे की चयन प्रक्रिया से बाहर हो गईं।

मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने याचिकाकर्ता के हित में विशेष शिक्षा विषय में माध्यमिक आचार्य का एक पद सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। अदालत के इस निर्देश से नेहा कुमारी को फिलहाल राहत मिली है। मामले में अब अगली सुनवाई 13 अक्टूबर 2026 को होगी।

लोको स्थित राम मंदिर में धूमधाम से मनाई गई भगवान श्रीकृष्ण की छठी

रांचीः लोको स्थित राम मंदिर प्रांगण में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के बाद आज उनकी छठी हर्षोल्लास, उमंग और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना की गई और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मंदिर के पुजारी नित्यानंद पांडे ने भगवान श्रीकृष्ण की विधिवत पूजा-अर्चना की। छठी के अवसर पर विभिन्न प्रकार के व्यंजन तैयार कर भगवान श्रीकृष्ण को भोग लगाया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया।पुजारी नित्यानंद पांडे ने बताया कि 4 सितंबर को भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के बाद से ही मंदिर में लगातार पूजा-अर्चना का आयोजन किया जा रहा था। जन्मोत्सव के बाद से मंदिर परिसर में भक्तों की लगातार भीड़ उमड़ रही थी। इसी क्रम में आज भगवान श्रीकृष्ण की छठी पूरे उत्साह और उमंग के साथ धूमधाम से मनाई गई। छठी समारोह में बड़ी संख्या में भक्तजन और श्रद्धालु शामिल हुए। पूजा-अर्चना के बाद सभी ने भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद लिया और प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

बकाया मानदेय के लिए सदर में जुटे पारामेडिकल कर्मी

धनबाद : छह माह से बकाया मानदेय के भुगतान की मांग को लेकर एसएनएमएमसीएच पारा मेडिकल संस्थान से पढ़ाई पूरी कर एक साल की बांड आधारित सेवा दे रहे पैरामेडिकल कर्मी सदर अस्पताल पहुंचे। कर्मियों ने प्रभारी सिविल सर्जन डॉ संजीव कुमार से मुलाकात कर लंबित भुगतान की मांग की। कर्मियों के अनुसार उन्हें हर महीने 12 हजार रुपये मानदेय मिलता है, लेकिन पिछले छह महीने से उसका भी भुगतान नहीं हुआ है। इससे उन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। कर्मियों का आरोप है कि भुगतान की जानकारी लेने पर उन्हें विभिन्न कागजात के नाम पर मेडिकल कॉलेज और सदर अस्पताल के बीच दौड़ाया जा रहा है।

न तो मानदेय का भुगतान हो रहा है और न ही लंबित राशि को लेकर स्पष्ट जानकारी दी जा रही है। कर्मियों ने जल्द भुगतान कराने की मांग की। प्रभारी सिविल सर्जन डॉ संजीव कुमार ने उनकी समस्या सुनकर भुगतान की दिशा में हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया।

चक्रधरपुर नप कार्यालय में दिवंगत मंत्री सुदीव्य कुमार सोनू को दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता

चक्रधरपुर : झारखंड सरकार के दिवंगत कैबिनेट मंत्री सुदीव्य कुमार सोनू के निधन पर चक्रधरपुर नगर परिषद कार्यालय के सभागार में शोक सभा आयोजित की गई। इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सभी वार्डों के पार्षदों एवं कर्मियों ने दिवंगत मंत्री के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा।

मौके पर नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि कैबिनेट मंत्री सुदीव्य कुमार सोनू का आकस्मिक निधन पूरे झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि नगर विकास मंत्री के रूप में सुदीव्य कुमार सोनू के साथ नगर परिषद का बेहतर सामंजस्य बन रहा था। ऐसे समय में उनका असमय निधन बेहद मायूस करने वाला है। अध्यक्ष ने बताया कि दिवंगत मंत्री के सम्मान में नगर परिषद कार्यालय के कार्यों को मंगलवार को बंद रखने का निर्णय लिया गया है। शोक सभा में नगर परिषद उपाध्यक्ष विजय साव, सभी वार्डों के पार्षद एवं नगर परिषद के कर्मी मौजूद रहे।

श्रीमद्भागवत कथा से सरोबर होगें लोग

गायत्री कुंज में 13 से19 तक होगी श्रीमद्भागवत कथा

बिनय मिश्रा

चक्रधरपुर में 13 सितम्बर से 19 सितम्बर तक थाना रोड़ स्थित गायत्री कुंज में समस्त भगेरिया परिवार के द्वारा आयोजित इस भक्ति के सागर में लोग उपस्थित होकर श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करेंगे इस कार्यक्रम के संदर्भ में जानकारी देते हुए सेवेन ब्रदर्स ने बताया कि 13 सितम्बर से आयोजित इस श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ होगा जो दोपहर 3 बजे से प्रारंभ होकर संध्या तक चलेगा। श्रीमद्भागवत कथा वाचन कथा वाचक श्रद्धेय श्री हिमांशु जी महाराज के द्वारा 7 दिनों तक किया जाएगा। सेवेन ब्रदर्स ने सभी से आग्रह करते हुए कहा है कि इस कथा में सभी लोग आमंत्रित हैं । लोग सपरिवार उपस्थित होकर इस पुण्य कार्य में सहभागी बने और कथा का आनंद लें। थाना रोड़ स्थित गायत्री कुंज में इस कार्यक्रम में वृहद और व्यापक रूप से तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। सैंकड़ों लोगों की उपस्थिति को देखते हुए भव्य और वृहद पंडाल का निर्माण किया जा रहा है।

वोट बचाने की जरूरत, अल्पसंख्यक विंग के नेता कहां हैं : महफूज

एसआईआर के दौरान मतदाता सूची से जुड़े मामलों में लोगों की मदद करने की अपील

गुलाम शाहिद

रांची : झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची को लेकर सामने आ रही शिकायतों के बीच मुस्लिम यूनाइटेड फ्रंट के केंद्रीय अध्यक्ष महफूज आलम ने सेक्युलर दलों के अल्पसंख्यक विंग के नेताओं की सक्रियता पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय घर-घर पहुंचकर वोट मांगने वाले नेता आज मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए जनता के बीच क्यों नहीं हैं।

महफूज आलम ने कहा कि मतदाता सूची में नाम को लेकर कई तरह की आपत्तियां और शिकायतें सामने आ रही हैं। ऐसे में अल्पसंख्यक विंग के नेताओं को केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि मैदान में उतरकर लोगों की समस्याएं सुननी चाहिए। जिन पात्र मतदाताओं के नाम को लेकर आपत्ति या हटाए जाने की प्रक्रिया चल रही है, उन्हें आवश्यक प्रक्रिया की जानकारी दिलाने और निर्वाचन अधिकारियों के समक्ष उनकी बात रखने में मदद करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि चुनाव के समय जनता के घर तक पहुंचकर वोट मांगना ही राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी नहीं है। जनता के अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर भी नेताओं को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र नागरिक का नाम गलत तरीके से मतदाता सूची से हटाया जाना उचित नहीं है।

महफूज आलम ने कहा कि वोट प्रत्येक पात्र नागरिक का अधिकार है और इसकी सुरक्षा के लिए राजनीतिक दलों के साथ-साथ समाज को भी सजग रहना होगा। उन्होंने सेक्युलर पार्टियों के अल्पसंख्यक नेताओं से सवाल किया कि जब जनता के वोट को बचाने की जरूरत है, तब वे कहां हैं। क्या उनकी जिम्मेदारी सिर्फ चुनाव के समय वोट मांगने तक सीमित है। उन्होंने कहा कि अब चुप्पी नहीं चलेगी। जनता को केवल आश्वासन नहीं, बल्कि जमीन पर काम और जरूरत के समय साथ खड़े होने वाले नेताओं की जरूरत है।

नई दिल्ली में बीएसएनएल कार्यालय पहुंचकर अमृत चिराग ने सौंपा ज्ञापन

ताराबोगा में 4जी/5जी मोबाइल टावर लगाने की मांग

संवाददाता

नई दिल्ली : भारत आदिवासी पार्टी के सिमडेगा जिला अध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की ने भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) कार्यालय, नई दिल्ली में ज्ञापन सौंपकर झारखंड के सिमडेगा जिला अंतर्गत ठेठईटांगर प्रखंड की ताराबोगा पंचायत में 4जी/5जी मोबाइल टावर स्थापित करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बेहतर मोबाइल नेटवर्क एवं इंटरनेट सुविधा नहीं होने के कारण ग्रामीणों, विद्यार्थियों और आम लोगों को ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल भुगतान, सरकारी ऑनलाइन सेवाओं सहित कई आवश्यक कार्यों में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अमृत चिराग तिर्की ने इरठछ से ताराबोगा पंचायत का शीघ्र सर्वे

कर मोबाइल टावर स्थापित करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया, ताकि ग्रामीणों को बेहतर मोबाइल एवं इंटरनेट कनेक्टिविटी मिल सके। साथ ही उन्होंने बांसवाड़ाझ डूंगरपुर लोकसभा क्षेत्र के माननीय सांसद श्री राजकुमार रोत जी से भी इस जनहित के मुद्दे पर सहयोग एवं आवश्यक पहल करने का अनुरोध किया, ताकि ताराबोगा पंचायत के ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही मोबाइल नेटवर्क एवं इंटरनेट की समस्या का समाधान हो सके।

नदियों के जलस्तर में गिरावट शुरू, 10 लाख से अधिक प्रभावितों को दोनों समय मिल रहा खाना

संवाददाता

पटना : बिहार में बाढ़ की गंभीर स्थिति के बीच प्रमुख नदियों के जलस्राव (वाटर डिस्चार्ज) में कमी और स्थिरता आने से राहत की उम्मीद जगी है। आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि राज्य की प्रमुख नदियों कोसी और सोन नदी में जलस्राव घटने की प्रवृत्ति दर्ज की गई है, जबकि गंडक नदी का जलस्राव स्थिर बना हुआ है। बाढ़ के इस संकट के बीच अभी तक राज्य में 450 से अधिक सामुदायिक रसोई मे माध्यम से 10 लाख से भी अधिक लोगों में सुबह-शाम भोजन का वितरण किया जा चुका है। आपदा प्रबंधन विभाग स्थिति की लगातार निगरानी कर रहा है। प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्य पूरी तत्परता से चलाए जा रहे हैं।

वीरपुर बराज पर मंगलवार को शाम 6 बजे तक कोसी का जलस्राव 1,61,135 क्यूसेक दर्ज किया गया। इसकी प्रवृत्ति घटने की है। इसी तरह इंद्रपुरी बराज पर सोन नदी का पानी 1,05,827 क्यूसेक जलस्राव दर्ज किया गया और इसकी भी प्रवृत्ति स्थिर है। वाल्मीकिनगर बराज पर गंडक का जलस्राव 92,900 क्यूसेक दर्ज किया गया और इसकी प्रवृत्ति घटने की है। दूसरी ओर, भागलपुर के सुल्तानगंज में गंगा का जलस्तर 36.80 मीटर दर्ज किया गया, जो इसके पिछले उच्चतम बाढ़ का जलस्तर (36.75 मीटर, 17.08.2021) से 0.05 मीटर ऊपर है, लेकिन इसकी प्रवृत्ति स्थिर है। हालांकि गंडक, कोसी, बूढ़ी गंडक, गंगा, पुनपुन,

बागमती और घाघरा नदियां अन्य कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

राज्य के 14 जिलों पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया, पूर्णिया तथा अरवल के 82 प्रखंडों की 491 ग्राम पंचायतों में लगभग 35.89 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है। बाढ़ प्रभावित लोगों की सहूलियत में 456 कम्युनिटी किचन का संचालन किया जा रहा है और अभी तक करीब 10 लाख से भी अधिक लोगों को सुबह-शाम का भोजन उपलब्ध कराया जा चुका है। इसके साथ ही 14 राहत शिविरों में 12,000 से अधिक बाढ़ शरणार्थियों के लिए आवासन, भोजन एवं चिकित्सा की व्यवस्था की गई है। इन राहत शिविरों में बच्चों के लिए दूध का वितरण और महिलाओं को सेनेटरी किट उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही मेडिकल कैम्प तथा बोट एम्बुलेंस के माध्यम से प्रभावितों को चिकित्सीय सुविधा भी प्रदान की जा रही है।

बाढ़ प्रभावितों के बीच 1.2 लाख से अधिक पॉलीथीन शीट और 22,900 ड्राई राशन पैकेट वितरित किए जा चुके हैं। मवेशियों के लिए 4,650 क्विंटल से अधिक पशुचारा बांटा गया है। आवागमन की सहूलियत में 1,876 नावों का परिचालन कराया जा रहा है। त्वरित बचाव के लिए एसडीआरएफ की 27 और एनडीआरएफ की 10 टीमों को विभिन्न जिलों में तैनात किया गया है। इधर, वर्षा को लेकर राज्य में मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार 01 जून से 08 सितंबर तक राज्य में 601.1 मिमी वर्षापात दर्ज हुआ है, जो सामान्य से 27 फीसदी कम है। हालांकि, सितंबर माह में अब तक सामान्य से 31 फीसदी अधिक वर्षा हुई है। अगले 2 दिनों में राज्य के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम एवं कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना जताई गई है।

इलाज खर्च के लिए अस्पताल का मेन गेट घंटों किया जाम

धनबाद : काम के दौरान 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल ग्रिल मिस्त्री एजाज अंसारी के इलाज खर्च की मांग को लेकर मंगलवार को परिजनों और ग्रामीणों ने डॉ मिहिर किडनी केयर हॉस्पिटल के मुख्य गेट को घंटों जाम कर दिया। जेएलकेएम नेता अखलाक अंसारी के नेतृत्व में प्रदर्शन कर रहे लोगों ने एजाज के बेहतर इलाज के साथ उपचार में होनेवाले खर्च का वहन अस्पताल प्रबंधन से करने की मांग की। परिजनों के अनुसार गोविंदपुर के मिल्लत नगर निवासी एजाज अंसारी पिछले करीब डेढ़ वर्ष से अस्पताल में गेट और ग्रिल निर्माण का काम कर रहा था। तीन सितंबर की दोपहर छत पर काम करने के दौरान वह 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन की चपेट में आ गया। करंट लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) में भर्ती कराया गया था। वहां उसका इलाज चल रहा है। उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। अब डॉ मिहिर उसके इलाज का खर्च देने से मना कर रहे हैं और उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराने को कह रहे हैं। परिजनों का आरोप है कि हादसा काम के दौरान हुआ। इसके बावजूद अस्पताल प्रबंधन इलाज का खर्च उठाने को तैयार नहीं है। इसके बाद आक्रोशित परिजन और ग्रामीण अस्पताल पहुंचे और मुख्य गेट जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को समझाकर शांत कराया। देर रात तक परिजन और ग्रामीण अस्पताल के बाहर बैठे थे। उन्होंने कहा कि इलाज और आर्थिक सहायता की व्यवस्था होने तक उनका विरोध जारी रहेगा।

अस्पताल संचालक डॉ मिहिर ने कहा कि एजाज अंसारी उनका कर्मचारी नहीं है। वह ठेकेदार के अधीन काम करता था। कुछ दिनों से अपने भाइयों के साथ आकर काम कर रहा था। हादसे के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिजनों के आग्रह पर मानवीय आधार पर इलाज का पूरा खर्च उन्होंने उठाया। अब एजाज की स्थिति खतरे से बाहर है। उसे रिम्स में इलाज कराने की सलाह दी गई है। डॉ मिहिर के अनुसार मंगलवार को कुछ लोगों ने एजाज के इलाज के एवज में 20 लाख रुपए की मांग की। इनकार करने पर अस्पताल पहुंचकर प्रदर्शन किया।

प्रशांत किशोर से कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग को मिलेगी नई दिशा : हृदयानंद मिश्र

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : झारखंड प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के चेयरमैन के रूप में प्रशांत किशोर की नियुक्ति का स्वागत करते हुए झारखंड प्रदेश कांग्रेस के सदस्य कोऑर्डिनेशन कमिटी एवं हिन्दू धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य हृदयानंद मिश्र, एडवोकेट ने कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन को नई ऊर्जा, नई दिशा और नई गति मिलेगी।

हृदयानंद मिश्र ने कहा कि प्रशांत किशोर एक सक्षम, युवा, दूरदर्शी, कर्मठ एवं संगठन के प्रति पूर्णतः समर्पित कार्यकर्ता हैं। उनमें जमीनी स्तर पर लोगों के साथ संवाद स्थापित करने, कार्यकर्ताओं को जोड़ने और संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने की विशेष क्षमता है। ग्रामीण समाज के बीच सहजता से घुल-मिलकर पारिवारिक आत्मीयता एवं विश्वास का वातावरण तैयार करना उनकी बड़ी विशेषता है।

उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति समाज के बीच संगठन की पहुंच को और व्यापक बनाने के लिए ऐसे युवा नेतृत्व की आवश्यकता है, जो केवल पद की जिम्मेदारी न निभाए, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी

समस्याओं को समझे और उसे कांग्रेस की विचारधारा एवं संगठन से जोड़े। प्रशांत किशोर में यह क्षमता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। मिश्र ने कहा कि प्रशांत किशोर को राजनीति और सार्वजनिक जीवन के संस्कार झारखंड के वरिष्ठतम विधायकों में शामिल एवं राज्य के वित्त मंत्री श्री राधाकृष्ण किशोर के पुत्र होने के कारण पारिवारिक रूप से भी मिले हैं। लेकिन उनकी सबसे बड़ी पूंजी केवल राजनीतिक विरासत नहीं, बल्कि अपनी योग्यता, मेहनत, व्यवहार-कुशलता और संगठन के प्रति प्रतिबद्धता है। पारिवारिक राजनीतिक संस्कार और स्वयं की संगठनात्मक क्षमता का यह समन्वय उन्हें एक प्रभावी युवा नेतृत्व के रूप में स्थापित करता है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशांत किशोर अनुसूचित जाति विभाग को केवल सांगठनिक रूप से मजबूत करने तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि दलित, वंचित, गरीब एवं सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के अधिकारों और सम्मान की आवाज को भी मजबूती प्रदान करेंगे। उनके नेतृत्व में कांग्रेस का सामाजिक न्याय का संदेश गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचेगा।

हृदयानंद मिश्र ने कहा कि कांग्रेस संगठन को आज ऐसे ही युवा, ऊर्जावान और जमीन से जुड़े नेतृत्व की आवश्यकता है। उन्हें पूरा विश्वास है कि प्रशांत किशोर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करते हुए झारखंड प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग को एक सशक्त, सक्रिय और जनोन्मुख संगठन के रूप में नई ऊंचाई प्रदान करेंगे।